

दैनिक

मीडियाऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

हाईकोर्ट का आदेश-सुशांत की मैनेजर दिशा सालियान मौत की जांच सीबीआई करेगी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में CBI जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने खटूक दर्ज करने और जांच अपने हाथ में लेने का भी निर्देश दिया है। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत से गिरने के बाद हुई थी। वह 28 साल की थीं। दिशा की मौत के छह दिन बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। दिशा की मौत मामले की शुरुआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी, लेकिन सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद 2023 में इसे दोबारा खोला गया और SIT बनाई गई। हालांकि, दिशा के पिता सतीश सालियान ने जांच में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नए सिरे से जांच की मांग की थी। उनका आरोप है कि दिशा के साथ गैंगरेप और हत्या हुई और मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ FIR की मांग भी की थी।

सीएम विजय का किसानों और शिक्षकों के लिए बड़ा एलान, डीएमके सरकार के समय दर्ज केस होंगे वापस

चेन्नई, एजेंसी। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की सरकार ने आज बुधवार, 2 सितंबर को किसानों और शिक्षकों को लेकर बड़ा एलान किया है। तमिलनाडु चैनल TVK सरकार ने पिछली सरकार के समय शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों पर दर्ज केस वापस लेने की बात कही है। किसानों और शिक्षकों पर दर्ज केस होंगे वापस: मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नियम 110 के तहत एलान करते हुए कहा कि मई 2021 और अप्रैल 2026 के बीच उन किसानों और शिक्षकों पर दर्ज केस वापस लिए जाएंगे, जिन्होंने आजीविका, अधिकारों और कल्याणकारी मुद्दों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया था। सीएम विजय के एलान के साथ ही विधानसभा में राजनीतिक घमासान मच गया। विपक्ष ने सरकार के इरादे पर सवाल उठाए और नई सरकार के आने के बाद विरोध प्रदर्शन करने वालों पर दर्ज केसों में भी ऐसी ही राहत की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के दायरे में विरोध करने के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका ने ईरान में शायी समारोह पर हमला किया: 68 घायल की मौत, 68 घायल ईरान का जॉर्डन-बहरीन में जवाबी अटैक

उत्तराखंड में भारी बारिश, 12 मौतें: बिहार में बाढ़ का खतरा

यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे फिर धंसा, एमपी के चित्रकूट में 400 दुकानें डूबीं



नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई। नैनी झील का जलस्तर 88 फीट पार होने के बाद चैनल खोल दिए गए हैं। राज्य में 172

सड़के बंद हैं। नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में आज अर्रिज अलर्ट है। पांच जिलों में स्कूल और आगनबाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं। इधर, बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य में गंगा-पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर

हिमाचल में इस मानसून सीजन 259 लोगों की मौत: हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान अब तक 259 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC) के मुताबिक, 30 जून से 1 सितंबर के बीच 64 दिनों में सरकारी और निजी संपत्तियों को 1,200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है। बह रही है। पटना में सुबह से बारिश हो रही है। मंगलवार को तेज बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। भागलपुर में 100 साल पुराना दुर्गा मंदिर कटाव के चलते गंगा में समा गया। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। गाजीपुर में गंगा में नहाते समय दो नाबालिग बह गईं। उन्नाव में बारिश के बाद गंगा एक्सप्रेसवे पर करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इस मानसून में गंगा एक्सप्रेसवे धंसने की यह दूसरी घटना है। वहीं, बलिया में करीब 20 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में स्टॉर्न मानसूनी सिस्टम सक्रिय है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में भारी बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर है। रामघाट की करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल डूब गए हैं। सतना में 2 और 3 सितंबर को स्कूल, कॉलेज और आगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

सीजेपी की मांग के बाद सरकारी स्कूल पर चला बुलडोजर

18 लाख से बनेगी नई बिल्डिंग



जयपुर, एजेंसी। जयपुर में रामपुरा सरकारी स्कूल के नवनिर्माण का काम बुधवार सुबह शुरू हो गया। बगरू विधानसभा क्षेत्र स्थित रामपुरा गांव के सरकारी स्कूल के जर्जर भवन को आज गिराया

गया। सरकार की ओर से करीब 18 लाख रुपये की राशि स्वीकृत होने के बाद पुरानी और जर्जर स्कूल बिल्डिंग को धराशायी कर निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई। यह वही स्कूल है जहां

कांक्रोच जनता पार्टी (CJP) ने 21 अगस्त को विरोध प्रदर्शन किया था। सीजेपी प्रवक्ता को ग्रामीणों ने पीटा था: 21 अगस्त को सीजेपी के कार्यकर्ता भवन की बदहाल स्थिति को लेकर सीजेपी ने विरोध किया था। सीजेपी के कार्यकर्ता गांव में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे, जिनका ग्रामीणों ने विरोध किया और विवाद की स्थिति बन गई थी। CJP प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर हमला हुआ था। रांका राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवर्पुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया था।



परिसर में सेल्फी और रील पर पाबंदी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम मंगलवार से लागू हुआ है। नए नियम

के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपये चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और

चारधाम यात्रा में अगस्त में 2.31 लाख यात्री पहुंचे

4 साल में सबसे ज्यादा; बद्रीनाथ में सबसे ज्यादा 1.25 लाख श्रद्धालु आए

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में अगस्त माह में बारिश भूस्खलन के बीच चारधाम यात्रा की रफ्तार ने नया रिकार्ड बनाया है। बीते चार वर्ष में यह पहला मौका है जब अगस्त में चारधाम में सबसे ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। इस साल बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में कुल 2,31,518 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बद्रीनाथ धाम में सबसे ज्यादा 1.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। तीन साल बाद केदारनाथ में भी इस अगस्त में सबसे ज्यादा शिव भक्त पहुंचे। कोरोनाकाल के बाद अगस्त 2022 में चारधाम में 2 लाख 67 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। इस साल 19 अप्रैल से शुरू उत्तराखंड चारधाम यात्रा की रफ्तार जुलाई में सुस्त रही,



लेकिन अगस्त में तेज बारिश, बंद हाईवे और कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाओं के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या का रिकार्ड बना। चारधाम यात्रा में बीते साल की तुलना में इस बार अगस्त माह में 93,680 और 2024 के मुकाबले 1,18,502 यात्री ज्यादा पहुंचे। हेमकुंड साहिब में भी बीते माह रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे: उत्तराखंड में सिखों के पवित्र तीर्थस्थल हेमकुंड साहिब में अगस्त 2026 में रिकार्ड

67863 श्रद्धालु पहुंचे। 1 जून से शुरू हुई यात्रा में अभी तक 2.89 लाख श्रद्धालु आ चुके हैं। बीते वर्ष पूरे सीजन में 2 लाख 74 हजार श्रद्धालु आए थे। 40 दिन पहले ही रिकार्ड टूट गया है। चारधाम यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा का दूसरा चरण 15 सितंबर से शुरू: उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा का दूसरा चरण 15 सितंबर से शुरू होगा। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक, मानसून कमजोर होने के बाद मौसम हेलिकॉप्टर उड़ानों के लिए सुरक्षित रहने की उम्मीद है। यह फैसला मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर लिया गया है।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन बैन: 5 में जमा होगा फोन

फोटो-वीडियो और रील बनाने पर रोक यह फैसला 2 दिसंबर 2022 को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के आदेश के आधार पर जारी किए गए हैं। मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं, खासकर युवाओं द्वारा फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकार्ड करने को लेकर लगातार विवादों जताई जा रही थी। मंत्री ने कहा कि जिन मोबाइल फोन में कैमरा नहीं है, उन्हें मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। नए नियम का उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना है। कांचीपुरम के प्रसिद्ध देवराजस्वामी-अथि वरदार मंदिर में मंगलवार सुबह 6 बजे से यह व्यवस्था शुरू कर दी गई। यहां फोन जमा करने के लिए दो कंप्यूटर ऑपरेटर और दो कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था

हाईकोर्ट ने तिरुचेवूर के अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था। इससे पहले भी मंदिरों को मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे।

वीडियो रिकार्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीडियो, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एडोप्टर्स (HRXCE) मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी।

पंजाब सरकार डीए मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची

कहा- 14191 करोड़ देना संभव नहीं, केंद्र से ज्यादा सैलरी दे रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के सभी बकाया भुगतान दो हफ्ते के अंदर करने को कहा गया था। राज्य सरकार का तर्क है कि इतने कम समय में लगभग 14,191 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान करने का आदेश देना संवैधानिक रूप से असंभव है। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा दायर 'स्पेशल लिटिगेशन' में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 3 अगस्त के फैसले को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने राज्य में कार्यरत



'ऑल इंडिया सर्विसेज' के अधिकारियों पर लागू दरों के हिसाब से बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया था। याचिका में कहा गया है कि लिक्विडेशन प्लान के तहत स्वीकार किए गए बकाया की रकम लगभग 14,191 करोड़

रुपये तय की गई थी, जिसका भुगतान पांच वित्तीय वर्षों में किया जाना था। इसमें कहा गया है कि विवादित फैसले के अनुसार पूरी रकम - जिसमें 42 फीसदी और लगभग 60 फीसदी के बीच का पूरा अंतर भी शामिल है - दो हफ्ते के अंदर चुकानी होगी। इसमें बताया गया है कि सालाना सैलरी और पेंशन पर होने वाले लगभग 58,064.05 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान, वित्त वर्ष 2025-26) के खर्च के मुकाबले, सिर्फ मंजूर किए गए बकाया का ही आंकड़ा राज्य के कुल वेतन और पेंशन बिल के लगभग तीन महीने के बराबर है। और इस रकम का इंतजाम करके

इसे चौदह दिनों के भीतर बांटना है। राज्य की याचिका में कहा गया, 'नियमों का पालन करना न सिर्फ मुश्किल है, बल्कि तय समय में ऐसा करना संवैधानिक रूप से असंभव है। अनुच्छेद 266(3) के तहत, संविधान में बताए गए तरीके के अलावा राज्य की संचित निधि (Consolidated Fund) से कोई भी पैसा नहीं निकाला जा सकता है, और वह तरीका अनुच्छेद 202 से 206 में दिया गया है। राज्य ने तर्क दिया कि इतने बड़े खर्च के लिए, जो मंजूर किए गए अनुमानों में शामिल नहीं है, अनुच्छेद 205(1)(a) के तहत एक सप्लीमेंट्री स्ट्रेटेमेंट की जरूरत होती है।

दिल्ली गैंगरेप केस: पीड़ित और आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले

ड्राइवर-कंडक्टर के कपड़े भी जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस को फोरेंसिक जांच में अहम सबूत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बस से छात्रा और दोनों आरोपियों के फिंगरप्रिंट मिले हैं। बस की सीटों और स्टीयरिंग व्हील से भी फोरेंसिक सैपल लिए गए हैं। ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप के कपड़े भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस अब छद्म रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाते हुए जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी है।



दोनों आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस भी जब्त की गई है। मामला 4 अगस्त की रात का है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं की छात्रा ग्रेटर नोएडा के

परी चौक से बस में बैठी थी। करीब 47 किलोमीटर बाद उसे कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर छोड़ दिया गया था। छात्रा ने बाद में पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी।



वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर 3 दिन में दूसरी बार हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केशम द्वीप और बंदर अब्बास पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। ईरान के मुताबिक सिरिक में एक शायी समारोह के दौरान मिसाइल गिराए गए। इसमें 5 लोगों की मौत हुई जबकि 68 लोग घायल हो गए। मेहर न्यूज के मुताबिक मरने वालों में 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है।



तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने 17 साल की लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज

केस रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि नाबालिग से शायी करना आरोपी को कानूनी

नाबालिग पत्नी से संबंध बनाना पॉरको के तहत अपराध

केरल हाईकोर्ट बोला- मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर आरोपी बच नहीं सकता

कार्रवाई से नहीं बचा सकता। जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन ने 19 अगस्त 2026 के आदेश में यह फैसला सुनाया। आरोपी ने कोर्ट में दावा किया था कि नाबालिग लड़की उसकी कानूनी पत्नी है और दोनों की शादी मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 375 और POCSO एक्ट, 2012 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने शादी का हवाला देते हुए केस खत्म करने की

मांग की थी। अक्टूबर 2021 में लड़की को घर ले जाने का आरोप: बार एंड बेंच के मुताबिक, आरोपी 23 अक्टूबर 2021 को नाबालिग लड़की को अपने घर ले गया था। आरोप है कि उसने उसी रात और अगले 4 दिनों तक लड़की से जबरन संबंध बनाए। आरोप है कि आरोपी के माता-पिता ने भी इसमें उसकी मदद की। बाद में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज हुआ और उसने केस रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका

शायी की वधवा का फैसला दायरल में होगा: कोर्ट ने कहा कि शादी होने का दावा साबित करने वाला कोई दस्तावेजी सबूत मौजूद नहीं है। शादी वैध थी या नहीं, इसका फैसला दायरल के दौरान किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि आरोपी और सबूतों के आधार पर अपराध सामने आते हैं। इसलिए FIR, फाइनल रिपोर्ट और आगे की आपराधिक कार्यवाही रद्द नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट ने आरोपी की याचिका खारिज कर दी। आरोपी की ओर से एडवोकेट सनी मेथ्यू और अनूज जे पेश हुए। नाबालिग पीड़िता की ओर से एडवोकेट पी जयराम ने पैरवी की। राज्य की ओर से सीनियर पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नवास वीए पेश हुए।

दायर की। आरोपी का कहना था कि उसने 23 जुलाई 2021 को लड़की से शादी की थी। उस समय लड़की 17

साल 1 महीने की थी। उसने दावा किया कि शादी इस्लामी रीति-रिवाज से दोनों परिवारों की मौजूदगी में हुई थी।

दिल्ली में डेंगू-मलेरिया का बढ़ा प्रकोप, एमसीडी की फॉगिंग पर पार्षदों ने उठाए सवाल, बोले- मशीनें खराब, दवाएं भी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप तेजी से फैल रहा है डेंगू के जहां 311, मलेरिया के 119 और चिकनगुनिया के 22 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है लेकिन एमसीडी जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं कर रही है। न तो फागिंग हो रही है न ही दवाओं का छिड़काव हो रहा है। इससे मरीजों की संख्या और बढ़ने का अनुमान है। एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में स्वयं भाजपा के ही पार्षदों ने यह मुद्दा उठाया। हेमचंद गोयल द्वारा लगाए गए अल्पकालिक चर्चा पर यह बात सामने आई। हेमचंद गोयल ने कहा कि न तो फागिंग हो रही है और बड़ी गाड़ियों पर इलाके में फागिंग की जाती थी वह भी अभी तक शुरू नहीं हुई है। इससे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दवाईया तक नीचले स्टाफ के पास नहीं है। हालांकि निगम स्वास्थ्य अधिकारी-2 अशोक रावत ने जमीनी स्तर पर कार्य करने की बात कही जिसे एक सिरे से स्थायी समिति के ज्यादातर पार्षदों ने खारिज कर दिया। साथ ही उन्होंने बोला की हर वार्ड में तीन से चार मशीनें फागिंग की दे रखी है। जिस पर स्थायी समिति के सभी पार्षदों ने इसे खारिज कर दिया। पार्षदों ने यह भी कहा

कि यह मशीनें खराब है चलती तक नहीं है। साथ ही जो मशीनें हैं उनके चलाने के लिए कर्मचारी तक नहीं है। जो मौजूदा डीबीसी कमी है वह यह मशीनें चलाने के लिए मना करते हैं।

स्थिति बहुत खराब: स्थायी समिति के डिप्टी चेयरमैन सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्थिति बहुत खराब है। मच्छरजनित बीमारियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कहते हैं उनके पास दवाइयां नहीं है। क्योंकि जब भी जोनल अधिकारियों से बात



कही जाती है तो वहीं कहते हैं कि दवा की कमी है।

नेता सदन जयभगवान यादव ने कहा कि डीबीसी कर्मचारी क्योंकि अब एमटीएस हो गए हैं तो उन्हें भी यह मशीनें चलानी पड़ेगी इसके लिए उन्होंने सर्कुलर निकालने की बात कही। अशोक रावत के दावों पर स्थायी समिति की चेयरपर्सन सत्या शर्मा ने कहा कि जो बाते अधिकारियों की ओर से कही जा रही है वह पार्षदों के अनुसार सही साबित नहीं होती है।

इसलिए अधिकारी इन सभी प्रश्नों का उत्तर देने की भी बात कही। साथ ही सवाल उठाया लिखित में दें। उल्लेखनीय है कि एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार वहीं, शशि यादव ने कार्य नहीं हो रहा है।

बेसहारा गायों की समस्या पर दैनिक की खबर हुई चर्चा

दिल्ली में बेसहारा गायों से होने वाली परेशानी का मुद्दा स्थायी समिति की बैठक में उठा। दैनिक द्वारा वसंत कुंज में बेसहारा गायों की समस्या को लेकर उठाई गई खबर का जिक्र स्थायी समिति में भाजपा पार्षद जगमोहन मेहलावत ने किया। उन्होंने कहा कि दैनिक ने इस समस्या को उठाया है। ऐसे में हमें चिंता करनी चाहिए कि बेसहारा गायों को गोशाला में भेजा जाए। हालांकि अधिकारियों ने गोशालाओं की क्षमता पूरी होने के कारण इसमें आने वाली समस्याओं की भी बताया। जबकि पार्षदों ने एमसीडी पर इन गायों को पकड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन न होने की बात भी कही।

पीपीपी माडल पर राजनबाबू टीबी अस्पताल में मेडिकल कालेज: राजन बाबू संक्रामक रोग अस्पताल में पीपीपी माडल पर मेडिकल कालेज बनाया जाएगा। इसके लिए एसबीआई को एमसीडी ने वित्तीय सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया है। माना जा रहा है मेडिकल कालेज पीपीपी माडल पर होगा उसके दो हिस्से होंगे एक में जहां एमसीडी में इलाज के लिए आने वाले मरीजों का इलाज न्यूनतम दरों पर किया जाएगा जबकि दूसरे में शुल्क लेकर इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी।

विपक्ष ने लगाया अनिमित्तयता का आरोप: स्थायी समिति की बैठक में आप नेता प्रवीण कुमार ने विभिन्न प्रस्तावों में अनिमित्तयता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कई ऐसे प्रस्ताव हैं जिनको अग्रिम मंजूरी दे दी गई। जबकि निगम एक्ट में ऐसा कोई प्रविधान नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि टोल से लेकर ईसीसी वसूली में भ्रष्टाचार हो रहा है।

आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही, मलेरिया की दवा खाते ही 50 से अधिक बीमार, 7 साल की बच्ची की मौत



अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के पल्लारवम जिले से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां मलेरिया से लड़ने के लिए बांटी गई क्लोरोक्वीन की गोलियां खाने के बाद सात साल की एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 52 अन्य लोग बीमार पड़ गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। अधिकारियों के मुताबिक, तेलंगाना की अंतर-राज्यीय सीमा से लगे पलावाडम जिले के गोलागुप्पा गांव में मलेरिया से बचाव के लिए 71 लोगों को एंटी-मलेरिया

गोलियां दी गई थीं।

दवा खाते ही बिगड़ने लगी तबीयत: मिली जानकारी के अनुसार दवा खाने के कुछ देर बाद ही कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। हालात को गंभीर देखते हुए प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया और 29 मरीजों को तेलंगाना के एक अस्पताल में, जबकि 24 मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस हादसे में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली 7 साल की बच्ची माडिकी जमुना की इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, बाकी अन्य मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

प्रशासन और सरकार की कार्रवाई

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों से पूरी रिपोर्ट मांगी है और इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, पीड़ितों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और स्थिति नियंत्रण में है। मरीजों की देखरेख के लिए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं। काकीनाडा सरकारी जनरल अस्पताल से 9 सदस्यों की एक विशेष मेडिकल टीम गांव पहुंच चुकी है। विजयवाड़ा, राजमहेंद्रवरम और काकीनाडा से तीन और विशेष टीमों में जल्द ही पहुंचने वाली हैं। गांव में ही एक मेडिकल कैंप लगाकर विशेष डॉक्टरों की तैनाती की गई है, जो लगातार मरीजों की सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल बच्ची की मौत के असल कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है, और स्वास्थ्य विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि आखिर दवा खाने के बाद लोगों की तबीयत इतनी कैसे बिगड़ गई।

दिल्ली से मथुरा और वाराणसी के लिए चलेंगी जन्माष्टमी स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा और अन्य धार्मिक स्थानों पर जाते हैं। इससे ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने दिल्ली से मथुरा, रींगस और वाराणसी के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। मथुरा और रींगस जन्माष्टमी विशेष ट्रेनों में सिर्फ अनारक्षित कोटें लगाए जाएंगे। हजरत निजामुद्दीन-मथुरा (044110/044409)- तीन, चार और पांच सिंत्बर को यह विशेष अनारक्षित ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से पूर्वाह्न 10.30 बजे रवाना होकर दोपहर 1.05 बजे मथुरा पहुंचेगी। वापसी में मथुरा से दोपहर 1.35 बजे चलकर शाम पौने पांच बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। हजरत िन ज। म. द्नी न - म थ्. र। (044112/044411)- तीन, चार और पांच सिंत्बर को यह विशेष अनारक्षित



ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से सुबह 9.45 बजे चलकर दोपहर 12.20 बजे मथुरा पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12.50 बजे मथुरा से चलकर शाम साढ़े चार बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाऊन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रंथी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कला,

छता, अझई, वृंदावन और भुतेश्वर में होगा। पुरानी दिल्ली-रींगस (044115/044116)- तीन, चार और पांच सिंत्बर को यह विशेष अनारक्षित ट्रेन पुरानी दिल्ली से शाम 6.50 बजे रवाना होकर रात 12.40 बजे रींगस पहुंचेगी। वापसी में चार, पांच और छह सिंत्बर को तड़के दो बजे रींगस से चलकर सुबह सात बजे पुरानी दिल्ली

पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली कैंट, गुडगांव, पटौदी, रेवाड़ी, नारनौल और नीम का थाना रेलवे स्टेशन पर होगा। पुरानी दिल्ली-वाराणसी विशेष (044446-044445)- तीन और पांच सिंत्बर को यह विशेष ट्रेन पुरानी दिल्ली से रात 9.10 बजे चलेगी और अगले दिन अपराह्न तीन बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में चार और छह सिंत्बर को वाराणसी से देर शाम सवा आठ बजे रवाना होकर अगले दिन पूर्वाह्न 11.45 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। इसमें वातानुकूलित, शयनयान व सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। रास्ते में इसका ठहराव नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, अयोध्या कैंट और जौनपुर रेलवे स्टेशन पर होगा।

यूएस वीजा नियम: भारतीय पेशेवरों-निवेशकों को सितंबर में भी राहत नहीं; नौकरी छोड़ भारत लौटें दिशा ने क्या बताया



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने वर्ष 2026 का आखिरी वीजा बोलुटिन जारी किया है। भारतीय उच्च योग्यता वाले पेशेवरों व निवेशकों को सितंबर में भी राहत नहीं मिली है। ईबी-2 व ईबी-5 अनारक्षित श्रेणियां उपलब्ध नहीं हैं। अगस्त में लागू स्थिति सितंबर में भी रहेगी। यानी इन दोनों श्रेणियों में नई प्रगति नहीं होगी। सितंबर वर्ष 2026 का आखिरी महीना है। विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया कि 30 सितंबर तक वार्षिक वीजा सीमा पूरी होने पर कुछ रोजगार श्रेणियों में उपलब्धता और घट सकती है। इनमें ईबी-1, ईबी-2 व ईबी-5 अनारक्षित प्रमुख हैं। ईबी-4 में बदल: रोजगार आधारित श्रेणियों में ईबी-4 में सभी देशों के लिए दो माह की बढ़त हुई है। इसकी तारीख 15

एच-1बी से जुड़ी पाबंदियों व लगातार होने वाली औपचारिकताओं को भी वापसी की वजह बताया है। लांबा 2021 में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री करने अमेरिका गई थीं। 2024 में उन्हें सीवीएस हेल्थ में डटा साइंटिस्ट की नौकरी मिली। बिजनेस इनसाइडर को बताया कि अमेरिका में उन्हें स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला। लेकिन परिवार से दूरी लगातार महसूस होती रही। उन्होंने कहा कि एच-1बी पर नौकरी बदलना, अतिरिक्त आय के रास्ते तलाशना आसान नहीं होता। नौकरी छोड़ने के बाद लांबा गुरुग्राम में माता-पिता और भाई के साथ रह रही है।

ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खाले पर भी बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध: साल 2024 में अमेरिका के पॉसल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते।' ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुनाव हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते। इससे हमारे पूरे राजनीतिक सिस्टम की वैधता पर ही सवाल उठ जाता।

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग

● अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है। अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत: शी जिनपिंग मंगलवार सुबह काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों



से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेंड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी: चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दावा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़: मिस्र को 2023 में ब्रिक्स से शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें बाजिल, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके

एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र को लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था।

पश्चिम एशिया में अमेरिका को चुनौती देने की कोशिश: चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच

राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। यह कदम पश्चिम एशिया में अमेरिका के प्रभाव को चुनौती देने को चीन की महत्वाकांक्षा का महत्वपूर्ण उदाहरण माना गया। हालांकि, इसके बाद से तेहरान और रियाद के रिश्तों में फिर तनाव देखने को मिला है। चीन खुद को क्षेत्र में एक मध्यस्थ और स्थिरता कायम करने वाली ताकत के रूप में पेश करता रहा है। इजरायल-फिलिस्तीन विवाद पर भी बीजिंग लंबे समय से दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है।

स्वेज नहर पर चीन की नजर क्यों: ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल की आवाजाही प्रभावित होने के बीच मिस्र की स्वेज नहर ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग बन गई है। पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार के लिए स्वेज नहर की अहमियत को देखते हुए चीन के लिए मिस्र के साथ रिश्ते मजबूत करना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सौम्या आनंद ने संभाला जिला पंचायत सीईओ का पदभार

2021 बैच की आईएएस अधिकारी ने अधिकारियों-कर्मचारियों से लिया परिचय, विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की ली जानकारी



मीडिया ऑडीटर, सीधी। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की 2021 बैच की अधिकारी सु सौम्या आनंद ने सोमवार को जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर विधिवत

रूप से अपना कार्यभार संभाला पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के संबंध में जानकारी ली सु सौम्या आनंद इससे पूर्व श्योपुर जिले

में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ थीं वहां अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रशासनिक दायित्वों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी निभाई अब सीधी जिला पंचायत की नई मुख्य

कार्यपालन अधिकारी के रूप में उनके सामने जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। **अधिकारियों से चर्चा कर जानी विभागीय कार्यों की स्थिति:** पदभार ग्रहण करने के बाद जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त करने के साथ विभागीय कार्यों की वर्तमान स्थिति के संबंध में चर्चा की। उन्होंने जिले में संचालित विकास कार्यों, ग्रामीण विकास योजनाओं तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय कार्यों और प्राथमिकताओं को समझने के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित दिशा-निर्देशों और समयसीमा के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए, ताकि

पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पहुंच सके। जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की उदासीनता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने की अपेक्षा की उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं का सीधा संबंध आमजन की आवश्यकताओं से है। इसलिए इनके क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही महत्वपूर्ण हैं अधिकारियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र की योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी वरिष्ठ स्तर पर उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देना होगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास पर रहेगा फोकस: सीधी जिले में जिला पंचायत के माध्यम

से पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी अनेक योजनाओं का संचालन किया जाता है नई सीईओ के पदभार संभालने के बाद इन योजनाओं की प्रगति, मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन और हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद है आनंद ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही अधिकारियों से जिले की प्राथमिकताओं और विभागीय गतिविधियों की जानकारी लेना शुरू कर दिया है उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की स्थिति, लंबित कार्यों और विभागीय प्राथमिकताओं के संबंध में चर्चा की उनके पूर्व प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए जिला पंचायत के कामकाज में समन्वय और योजनाओं की नियमित निगरानी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है खासतौर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने तथा शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा।

कृषि को लाभकारी एवं टिकाऊ व्यवसाय बनाने आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती अपनाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बलराम जयंती के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मती मंजू सिंह एवं कलेक्टर विकास मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। इस दौरान विद्यार्थियों, युवाओं एवं किसानों से कृषि, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक तथा कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के विषय पर संवाद किया गया जिला पंचायत अध्यक्ष मती मंजू सिंह ने कहा कि युवाओं को कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाने हुए कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा युवाओं की कृषि के प्रति रुचि बढ़ाकर और नई तकनीकों का उपयोग कर खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि कृषि विषय को लेकर कभी यह न सोचें कि इसमें आगे बढ़ने के अवसर कम हैं। भारत कृषि प्रधान देश है और कृषि के माध्यम से युवा देश, प्रदेश एवं जिले का नाम रोशन कर सकते हैं उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का भी उल्लेख किया कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि भगवान बलराम शक्ति और पराक्रम के साथ कृषि, श्रम एवं प्रकृति से जुड़े जीवन-मूल्यों के प्रेरणास्रोत हैं विद्यार्थियों को उनके जीवन से मेहनत, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की सीख लेनी चाहिए आज के विद्यार्थी ही कल के भारत का निर्माण करेंगे, इसलिए पढ़ाई के साथ प्रकृति, मिट्टी और खेती के महत्व को समझना भी आवश्यक है उन्होंने कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था और जीवन का महत्वपूर्ण आधार है विद्यार्थी आधुनिक शिक्षा एवं वैज्ञानिक सोच के साथ कृषि क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशें तथा नई तकनीक और कृषि उपकरणों का उपयोग करें।

बलराम जयंती पर जिलेभर की गौशालाओं में हुआ गौ-पूजन, संरक्षण का लिया संकल्प



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बलराम जयंती के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार सीधी जिले की विभिन्न गौशालाओं में गौ-पूजन एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश

दिया इस दौरान उपस्थित लोगों ने गौवंश की बेहतर देखभाल और संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का संकल्प लिया हनुमानगढ़ स्थित नंदबाबा गौशाला में सरपंच मती प्रभा तिवारी एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में विधिवत गौ-पूजन कर बलराम जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग की डॉ. अनामिका पाण्डेय, गौशाला की

सहायक नोडल सु संघमित्रा गुप्ता एवं ऑंबिका सोनी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सरपंच के साथ विभागीय योजनाओं तथा गौशाला से जुड़ी गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई इसी क्रम में कनकटी गौशाला में भी बलराम जयंती पर गौ-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अमरावती गौशाला ददरी कला में जनपद सदस्य सिहावल की उपस्थिति में गौ-पूजन किया गया वहीं धनौर गौशाला, कृष्णा गौशाला समरदह और शासकीय गौशाला बघउ में भी गौ-पूजन एवं बलराम जयंती के कार्यक्रम आयोजित हुए शासकीय गौशाला बघउ में गौ-पूजन के साथ बांझ निवारण शिविर भी लगाया गया, जिसमें पशुपालकों को पशुधन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई इसके अलावा पाट गौशाला, ग्राम पंचायत बढमरिया में भी

गौ-पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रमों के दौरान पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से गौशालाओं में संरक्षित गौवंश की समुचित देखभाल, उनके संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई अधिकारियों ने पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने तथा गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए जनसहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया बलराम जयंती पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से जिले में गौ-संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया विभिन्न गौशालाओं में हुए आयोजनों ने गौवंश की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।



मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित 'विजय शंखनाद' रैली के बाद भाजपा पदाधिकारियों द्वारा कथित रूप से हवन कर कार्यक्रम स्थल का शुद्धिकरण किए जाने के विरोध में रीवा में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय के बाहर

नारेबाजी करते हुए इस कथित घटना को सामाजिक भेदभाव और दलित विरोधी मानसिकता का प्रतीक बताया प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को समान सम्मान और अधिकार प्राप्त है। ऐसे में किसी राजनीतिक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष की सभा के बाद किसी स्थान का हवन के माध्यम से कथित शुद्धिकरण किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन सामाजिक समानता और नागरिकों के सम्मान से जुड़े विषयों पर सभी राजनीतिक दलों को संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। युवा कांग्रेस नेताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय का अधिकार देता है उनके अनुसार संविधान की मूल भावना सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मान उपलब्ध कराना है कार्यकर्ताओं का आरोप था कि कथित शुद्धिकरण किसी घटनाएं समाज में भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा दे सकती हैं उन्होंने भाजपा से इस पूरे मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि

322.99 लाख रुपये की लागत से बनेगा 50 सीटर छात्रावास, जनजातीय विद्यार्थियों को मिलेगी सुरक्षित और सुविधायुक्त आवासीय सुविधा



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी विकासखंड के बस्तुआ में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 322.99 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 50 सीटर आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास का बुधवार को धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने भूमिपूजन किया छात्रावास के निर्माण से क्षेत्र के जनजातीय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सुरक्षित और सुविधायुक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों,

विभागीय अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का सबसे प्रभावी माध्यम है। जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि छात्रावास के निर्माण से दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण मिलेगा और वे बिना आवास संबंधी कठिनाइयों के अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे छात्रावास जैसी सुविधाओं का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को रहने की जगह उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण देना है जहां वे नियमित अध्ययन, अनुशासन और मेहनत के साथ अपने भविष्य के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकें उन्होंने विद्यार्थियों से

नियमित रूप से अध्ययन करने और अनुशासन का पालन करते हुए मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया विधायक ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का विद्यार्थियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ उपयोग करना चाहिए। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने प्रस्तावित छात्रावास के निर्माण से संबंधित जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए साथ ही छात्रावास का निर्माण निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए तैयार की जाने वाली सुविधाओं में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए भवन को समय पर पूरा कराया जाना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द मिल सके।

मुख्यमंत्री ने किया जन विश्वास पोर्टल का शुभारंभ, 17 सितंबर से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान



मीडिया ऑडीटर, सीधी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के कमिश्नर्स एवं कलेक्टरों से संवाद कर मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री जन विश्वास

पोर्टल का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में राज्य से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक संचालित किया जाएगा मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अभियान के निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार समयबद्ध तैयारियां



पूरी करने और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर होगी। उन्होंने सभी कलेक्टरों को अभियान के विभिन्न बिन्दुओं पर तिथिवार कार्यक्रम तैयार

करने के निर्देश दिए। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, स्वसहायता समूहों, धार्मिक संगठनों और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया उन्होंने अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए

आए सकारात्मक बदलावों को विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में 'आंगन का उत्सव' आयोजित किया इस दौरान बच्चों और महिलाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियां होंगी। आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करने के साथ महिलाओं से संवाद भी किया जाएगा जनसंपर्क विभाग सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की प्रेरक कहानियों को सामने लाएगा इससे शासन की योजनाओं के प्रभाव और हितग्राहियों के अनुभवों को व्यापक स्तर पर साझा किया जाएगा।

आए सकारात्मक बदलावों को विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बताया गया कि 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में 'आंगन का उत्सव' आयोजित किया इस दौरान बच्चों और महिलाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियां होंगी। आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करने के साथ महिलाओं से संवाद भी किया जाएगा जनसंपर्क विभाग सोशल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की प्रेरक कहानियों को सामने लाएगा इससे शासन की योजनाओं के प्रभाव और हितग्राहियों के अनुभवों को व्यापक स्तर पर साझा किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर विद्यार्थियों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव (जन्माष्टमी) के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृमांक-1, सीधी में जिला प्रशासन के तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं आदर्शों पर आधारित भाषण प्रतियोगिता के साथ झांकी, नाटक, बाललीला, नृत्य एवं बांसुरी वादन की आकर्षक प्रस्तुतियां दी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टरविकास मिश्रा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, कर्तव्य, साहस और कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि श्रीकृष्ण को केवल पूजें नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें कृष्ण-अर्जुन के जीवन प्रसंगों को उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए कलेक्टर ने विद्यार्थियों से अपनी शिक्षा दूर कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा स्वयं को जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि जब भी जीवन में कठिन परिस्थिति आए तो अपने माता-पिता के संघर्ष को याद करें और उससे आगे बढ़ने की प्रेरणा लें अपने से छोटे बच्चों को अच्छी शिक्षा देने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की सीख भी दी उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा न्यूटन एवं डार्विन के सिद्धांतों को समझकर जिज्ञासा एवं तर्कशीलता के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया।

स्वदेशी का मंत्र

प्रधानमंत्री ने आर्थिक विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि पर देशवासियों को बधाई देते हुए एक बार फिर गौर जरूरी सोने की खरीद न करने, विदेश यात्रा से परहेज करने और साथ ही विदेश में शादी करने से बचने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने स्वदेशी का मंत्र भी दोहराया और देश को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता भी रेखांकित की। इस बार उन्होंने यह अपील इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी करके की। इसके पहले उन्होंने ऐसी ही अपील कुछ

माह पहले तब की थी, जब पश्चिम एशिया संकट के चलते तेल के दाम बढ़ रहे थे। तब उन्होंने वर्क फ्राम होम को प्राथमिकता देने और पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने का भी आग्रह किया था। देkhना है कि उनकी ओर से नए सिरे से की गई अपील आम जनता पर कितना असर दिखाती है या नहीं? चूंकि भारत अपनी आवश्यकता का अधिकांश सोना आयात करता है और इसके चलते चालू खाता घाटा बढ़ता है, इसलिए उसकी खरीद से बचने में ही

समझदारी है। ऐसा इसलिए भी किया जाना चाहिए, क्योंकि सोने से कोई नियमित आय नहीं होती। सोने के प्रति तमाम आकर्षण के बाद भी लोगों को यह समझना होगा कि यह कितना असर दिखाती है या नहीं? लेकिन इसी के साथ सरकार को भी इस पर चिंतन-मनन करना होगा कि आखिर वोक्ल फार लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं की खरीद का अभियान

गति क्यों नहीं पकड़ पा रहा है? आज भारत में क्रय क्षमता से लैस एक ऐसा बड़ा मध्यवर्ग है, जो गुणवत्ता वाली वस्तुएं खरीदना पसंद करता है। वह ऐसी वस्तुएं विदेश से इसलिए खरीदता है, क्योंकि भारत में वे या तो आसानी से उपलब्ध नहीं हैं या फिर विदेश के मुकाबले महंगी पड़ती हैं। आज यह अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए कि लोग स्वदेशी के नाम पर देश में

निर्मित कम गुणवत्ता वाली वस्तुएं खरीदना पसंद करेंगे। आखिर भारतीय कारोबारी वैसी गुणवत्तायुक्त वस्तुएं क्यों नहीं बना पा रहे हैं, जिनकी भारतीय मध्य वर्ग के बीच मांग है? नीति-नियंताओं को इस प्रश्न पर विचार करने के साथ ही यह जानना होगा कि यदि धनाढ्य भारतीयों का एक वर्ग विवाह के लिए विदेश जाना पसंद कर रहा है तो इसका कारण वहां मिलने वाली सुविधाएं हैं। आम तौर पर ऐसी सुविधाएं भारत में उपलब्ध नहीं होतीं और यदि

होती भी हैं तो वे विदेश के मुकाबले महंगी पड़ती हैं। ऐसा क्यों है, इसके कारणों का निवारण करने की आवश्यकता है। यदि देश को वास्तव में आत्मनिर्भर बनाना है तो भारतीय कारोबारियों को लोगों की आवश्यकता की हर किस्म की वस्तुओं का स्वदेश में निर्माण करना सुनिश्चित करना होगा। उन्हें यह सवाल खुद से करना होगा कि यदि चीन के कारोबारी यह काम कर ले रहे हैं और वे दुनिया के बाजारों में छा गए हैं तो वे ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत तत्पक्षवृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

विनोद सिंह तकियावाला

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी तृष्णवृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है। स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक तृष्ण81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र तृष्ण88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।वही वास्तविक तृद्ध 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र तृद्ध में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आंकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल तृष्णकी ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है।पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक तृद्ध वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, ढ़्क और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन आंकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।निवेश के मोर्चे पर भी आंकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। ग्रामीण क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।निर्यात के आंकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं।

प्रहलाद सबनानी

रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराइल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की असुरक्षता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी टूटनेकटरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रैल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की

तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में

तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केन्द्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक

प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति

अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराइल-अमेरिका युद्ध, इजराइल हम्रास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के

भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाइयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैनुफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा के क्षेत्र में भी उत्पादन एवं निर्यात तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए अन्य देशों की ओर देखता था आज वह फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल का निर्यात कर रहा है। कई अफ्रीकी देशों को मेड इन इंडिया हेलिकोप्टर निर्यात कर रहा है। अब देश की कुल जरूरत का लगभग 65 प्रतिशत रक्षा उत्पाद देश में ही निर्मित हो रहा हैं। जो रक्षा उत्पादन वर्ष 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए का था वह 2025-26 में बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुका है। रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। आज रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का निर्यात 100 से अधिक देशों को किया जा रहा है। ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में उत्पादन में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है एवं फार्मा क्षेत्र में तो भारत को फार्मेसी आफ द वर्ल्ड कहा जा रहा है। भारत की एक्सपोर्ट बास्केट भी बढ़ रही है - पेट्रोलियम उत्पाद, इंजिनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्स्टायल जैसे कई क्षेत्रों में विकास दर तेजी से बढ़ रही है। भारत किसी एक सेक्टर पर निर्भर नहीं है। कई क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ रहा है। दुनिया की सप्लाय चैन में भारत की नई भूमिका तय हो रही है। भारत एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात करने की ओर आगे बढ़ रहा है।



इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम

किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनियरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित

शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंडीपेंडेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं। नए एक्सप्रेस वे ने माल ढुलाई का समय घटाया। लागत को कम किया और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया। 86,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात इस सफलता की कहानी को दर्शाता है।

क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैनुफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ाई जा रही है।

हिंदू राष्ट्र का मतलब, मुसलमानों के बिना नहीं

संघ के प्रमुख, समय-समय पर जो कहते हैं, उस पर वह ज्यादा समय तक स्थिर नहीं रहते हैं। हाल ही में जब वह अमेरिका के दौर में गए वहां पर उनके उद्योगपतियों से भेंट के कार्यक्रम को गुप्त रखा गया। भारत में निवेश करने

को अमेरिका में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। विश्व के कई देशों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सैकड़ो अनुवांशिक संगठन है। जो अलग-अलग तरीके से अपनी बात करते हैं। ऐसा कोई वर्ग नहीं है, जिसके बारे में



के लिए उद्योगपतियों को जो कठिनाइयां हो रही हैं उस पर उन्होंने चर्चा की है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। भारत और सारी दुनिया के देशों में यह माना जाता है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सलाह पर ही वर्तमान सरकार पिछले 12 वर्षों से काम कर रही है। ऐसी स्थिति में मोहन भागवत के इस बयान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनके अनुवांशिक संगठन तरह-तरह से हस्तक्षेप करके संबंधित वर्ग को अपने पक्ष में लाने का प्रयास न करते हों। वह जो कहते हैं, वह करते नहीं है। कुल मिलाकर हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना को लेकर एक कट्टर संगठन के रूप में भारत और दुनिया के देशों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की

सनत जैन

मानव जीवन की अपनी गरिमा है। मनुष्य जीवन में किसी भी आधार पर कोई भेद नहीं किया जा सकता है। जब हम हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं, उस समय कोई हिंदू यह नहीं सोचता है, कि भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए। पूरी मानवता एक है। विविधता हमारी आंतरिक एकता को मजबूत करती है। हमें उसको स्वीकार करते हुए सभी का सम्मान करना चाहिए। मोहन भागवत ने जो कहा है, उससे किसी को कोई एतराज नहीं हो सकता है। पिछले 12 वर्षों में जिस तरह से भारत में मुसलमान और ईसाइयों को लेकर 80:20 का जो विवाद पैदा किया गया है, भारत में जिस तरह से धार्मिक एवं जाति समीकरण की दिशा में राजनीति बढ़ती चली जा रही है। मुसलमानों और ईसाइयों को एक विचारधारा के लोगों द्वारा तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है। उनके ऊपर दबाव बनाया जा रहा है, वह दोयम दर्जे के नागरिक बनकर रहें। खाना-पीना, शिक्षा और धार्मिक क्रियाकलाप हिंदुओं द्वारा तय किए जा रहे हैं। अन्य धर्म एवं जाति आधार उन्हीं का पालन करने का दबाव सरकारी संरक्षण में बनाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उन्होंने अमेरिका में जो कहा है, वह अलग है भारत में जो हो रहा है, वह अलग है। मोहन भागवत के विदेश प्रवास के पहले ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा एवं अन्य स्थानों पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिली है। मोहन भागवत के वीजा को रद्द करने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांग अमेरिका में बड़ी तेजी के साथ उभरी है। जिसके कारण मोहन भागवत का यह दौरा विवादों से घिरा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने शनिवार को वन वर्ल्ड इन झूमेनिटी कार्यक्रम का संबोधित करते हुए जो कहा है, उसकी रिवेश मत में चर्चा हो रही है। विशेष रूप से भारत में उनके बयान पर बड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। मोहन भागवत ने न्यूयार्क में विचार व्यक्त करते हुए कहा, मानवता की एकता, भारत का पारंपरिक विचार है। हमारे नेताओं ने संविधान पर जोर दिया है। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है, भारत की राजनीति स्वार्थ आधारित हो गई है। जहां मैं और मेरा है वहां समाधान नहीं मिल रहा है। भागवत बोले सामाजिक धार्मिक संगठन राजनीति और सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करना चाहें, तो लोकतंत्र में जनमत से ही सरकार चलती है। हमें मजबूत जनमत तैयार करना होगा, जो राजनीति को प्रभावित करे। उन्होंने कहा सारे रास्ते ईश्वर तक ले जाते हैं।

फॉरेंसिक और डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर पुलिस अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन भौतिकी, रसायन, विष विज्ञान, डीएनए, क्राइम सीन और बैलिस्टिक्स पर विशेषज्ञों ने कराया व्यावहारिक प्रशिक्षण



मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। अपराधों की विवेचना को आधुनिक, वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित बनाने के उद्देश्य से अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी), पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फॉरेंसिक, वैज्ञानिक एवं डिजिटल विवेचना प्रशिक्षण

कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी एवं वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए कार्यशाला में राज्य की क्षेत्रीय एवं राज्य फॉरेंसिक साईंस प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साक्ष्य संकलन, संरक्षण और प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी दी

कार्यशाला विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज वास्तव के निदेशन तथा पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत पाण्डेय, प्रशांत खरे और सहायक पुलिस महानिरीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है।

भौतिक और वॉयस साक्ष्य

पर जानकारी: आरएफएसएल भोपाल की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. पूनम सिंह ने फॉरेंसिक भौतिकी एवं वॉयस साक्ष्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया उन्होंने ध्वनि नमूनों तथा भौतिक साक्ष्यों के वैज्ञानिक संकलन, संरक्षण और प्रयोगशाला भेजने की मानक प्रक्रिया समझाई।

रसायन और विष विज्ञान की बारीकियां: वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. रजोव दुआ ने रसायनिक नमूनों, मादक एवं विषाक्त पदार्थों के संकलन और सुरक्षित रखरखाव से संबंधित जानकारी दी उन्होंने साक्ष्यों की

शुद्धता और सुरक्षित संरक्षण को विवेचना में महत्वपूर्ण बताया।

डीएनए साक्ष्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण: डॉ. कमलेश कैथोलिया ने फॉरेंसिक बायोलॉजी, सीरोलॉजी एवं डीएनए साक्ष्यों के प्रबंधन पर जानकारी दी उन्होंने रक्त, बाल, लार सहित जैविक नमूनों के वैज्ञानिक संकलन, पैकेजिंग, चैन ऑफ करस्टडी और डीएनए प्रोफाइलिंग में फॉरेंसिक प्रयोगशाला की भूमिका समझाई।

क्राइम सीन किट का कराया प्रत्यक्ष प्रदर्शन: जिला सीन ब्राइम ऑफ मोबाइल यूनिट भोपाल की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. प्रीति



गायकवाड ने क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन किट के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया उन्होंने घटनास्थल को दृष्टि होने से बचाने, साक्ष्यों की पहचान, सुरक्षित जब्ती और सही दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया बताई।

बैलिस्टिक्स और साक्ष्य प्रबंधन: एसएफएसएल सागर के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी रमदा कनेश ने बैलिस्टिक्स साक्ष्यों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया इसमें आग्नेयास्त्रों, कारतूसों, गोलियों और गनशॉट रेजिड्यू के संकलन, संरक्षण तथा एफएसएल परीक्षण की प्रक्रियाओं पर जानकारी दी गई सत्र के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया कार्यशाला का समापन 3 सितंबर को विशेष पुलिस महानिदेशक अपराध अनुसंधान विभाग पंकज वास्तव की उपस्थिति में होगा अंतिम दिन अपराध स्थल फोटोग्राफी, डिजिटल साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण और न्यायालयीन प्रमाणिकरण पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सरकारी स्कूल की पुरानी किताबें कबाड़ी को देने का मामला, ग्रामीणों ने टैक्सरी रोकी



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नरवर ब्लॉक के टोरियाकुर्दा गांव स्थित सरकारी स्कूल की पुरानी किताबों को कबाड़ में भेजे जाने का मामला सामने आया है ग्रामीणों ने स्कूल के शिक्षक हस्ताश्र मौर्य को टैक्सरी में किताबें भस्कर ले जाते समय रोक लिया ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 5 किबंटल पुरानी किताबें कबाड़ी को बेचने के लिए ले जाई जा रही थीं। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने जांच करने की बात कही है ग्रामीणों के अनुसार स्कूल से बड़ी मात्रा में पुरानी किताबें एक टैक्सरी में भस्कर ले जाई जा रही थीं इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और टैक्सरी को रोक लिया ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की जांच कराने की मांग करते हुए यह स्पष्ट करने को कहा है कि सरकारी स्कूल की किताबों को

हटाने अथवा कबाड़ में देने की प्रक्रिया नियमों के तहत की गई थी या नहीं मामले को शिक्षक हस्ताश्र मौर्य का कहना है कि पुरानी और अनुपयोगी किताबों को हटाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी आकाश यादव को प्रस्ताव भेजा गया था उनके अनुसार प्रस्ताव मंजूर होने के बाद ही कबाड़ी को बुलाकर किताबें दी जा रही थीं ग्रामीणों के विरोध के बाद किताबों को वापस स्कूल में रखवा दिया गया। मामले को लेकर डीपीसी दफेंदर सिंह सिकरवार ने कहा कि माध्यमिक विद्यालय की पुरानी किताबों को इस तरह हटाने या बेचने की कोई मंजूरी मिली होती तो इसकी जानकारी उन्हें होती उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं दी गई है डीपीसी ने बताया कि गुरुवार को बीआरसी की विद्यालय भेजकर पूरे मामले की जांच करई जाएगी।

मनरेगा के आम फलोद्यानों ने बदली ग्रामीण महिलाओं की तकदीर, 70 महिला किसानों ने कमाए 4 लाख रुपये एमसीबी में 136 आम फलोद्यान बने अतिरिक्त आय और स्थायी आजीविका का माध्यम



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्रामीण परिवारों को रोजगार के साथ स्थायी आय का साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मनरेगा के तहत विकसित किए गए आम के फलोद्यान अब मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रहे हैं भरतपुर, मनेन्द्रगढ़ और खड़गवां विकासखंडों में तैयार 136 आम फलोद्यानों से अब तक करीब

70 महिला किसानों ने लगभग 4 लाख रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की है जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका विकास के लिए सुजन नामक सहयोगी संस्था की मदद ली गई संस्था द्वारा चयनित पंजीकृत श्रमिक परिवारों की बाड़ियों में मनरेगा के तहत फलदार पौधों का रोपण कराया गया इन फलोद्यानों से अब

परिवारों को रोजगार के साथ कृषि आधारित स्थायी एवं अतिरिक्त आय का जरिया मिलने लगा है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में भरतपुर, मनेन्द्रगढ़ एवं खड़गवां विकासखंडों में 136 पंजीकृत परिवारों की बाड़ियों में आम के फलोद्यान स्थापित किए गए जिला पंचायत से स्वीकृति के बाद फलोद्यानों की स्थापना और उनके प्रबंधन में सुजन संस्था ने तकनीकी सहयोग दिया पौधों की देखभाल और उत्पादन में महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी के

सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिला पंचायत द्वारा फलोद्यानों का सर्वे कराकर उनसे होने वाली आय का आकलन कराया गया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 70 महिला किसानों ने मिलकर लगभग 4 लाख रुपये की आय अर्जित की है भरतपुर क्षेत्र की सुनीता ने 21,500 रुपये, शांति ने 19 हजार रुपये और सुकवारिया ने 17 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त की। भरतपुर विकासखंड के खाड़ाखोह निवासी कोशिल्या

बाई पति चंद्रभान ने अपने आम के फलोद्यान से उल्लेखनीय आय अर्जित की। उनके 48 पौधों में से 40 पौधों में इस वर्ष अच्छा फलन हुआ और कुल 560 किलोग्राम आम का उत्पादन मिला इनमें से 480 किलोग्राम आम स्थानीय बाजार में 50 रुपये प्रति किलो की दर से बेचकर उन्होंने 24 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम ने बताया कि मनरेगा का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसी परिसंपत्तियों का निर्माण करना भी है, जो भविष्य में निरंतर आय का माध्यम बनें कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि 136 फलोद्यान रोजगार, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि और स्थायी आजीविका को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं महिला किसानों की बढ़ती भागीदारी और आय इस पहल की सफलता को दर्शाती है।



अपहरण की दो घटनाओं में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, चंबल के बीहड़ और पहाड़ी क्षेत्र से अपहृत सकुशल मुक्त



मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अपहरण की दो गंभीर घटनाओं में त्वरित कार्रवाई करते हुए भिंड और ग्वालियर में अपहृत व्यक्तियों को सकुशल बरामद कर लिया पुलिस ने दोनों मामलों में फुटेज, साइबर सेल, मोबाइल लोकेशन, मुखबिर

तंत्र और मैदानी सर्चिंग का प्रभावी इस्तेमाल किया भिंड में व्यापारी को चंबल के बीहड़ क्षेत्र से मुक्त कराया गया, जबकि ग्वालियर में बंधक बनाए गए युवक को शिवपुरी के पहाड़ी क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब किया गया भिंड जिले के थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में 1

सितंबर की शाम सदर बाजार स्थित दुकान से पुराने रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ आरोप है कि तीन लोगों ने व्यापारी के साथ मारपीट और धमकी देकर काले रंग की स्कॉर्पियो से उसका जबरन अपहरण कर लिया सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के छद्मछद्म फुटेज खंगाले साथ ही मुखबिर तंत्र सक्रिय कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों एवं व्यापारी की गतिविधियों और संभावित रुट की जानकारी जुटाई गई महत्वपूर्ण सुगम मिलने के बाद पुलिस ने संभावित

स्थानों पर दबिश दी और तहसील अंटेर के चंबल बीहड़ क्षेत्र से व्यापारी को सकुशल बरामद कर लिया व्यापारी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर सूचना पर थाना अंटेर क्षेत्र के चंबल बीहड़ से तीन आरोपियों को अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस ने वादत में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी जप्त किया है ग्वालियर में 31 अगस्त को वीरू कर्ण के घर से लापता होने की सूचना मिलने पर थाना ग्वालियर में प्रकरण दर्ज किया गया पुलिस ने तत्काल छद्मछद्म फुटेज खंगालने के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं की तृतीय काउंसलिंग 3 से 9 सितंबर तक,रिक्त सीटों पर प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों को भी मिलेगा प्रवेश का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु तृतीय काउंसलिंग की प्रक्रिया 3 से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम के बाद विभागीय वेबसाइट पर पात्र विद्यार्थियों की सूची, आवंटित विद्यालय और काउंसलिंग की तिथियां जारी कर दी गई हैं पात्र विद्यार्थियों को आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होना होगा काउंसलिंग का समय सुबह 8 बजे तक 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों

को वेबसाइट पर अपना नाम, आवंटित विद्यालय और काउंसलिंग की तारीख देखकर निर्धारित दिवस पर उपस्थित होने की सलाह दी गई है प्रयास बालक/कन्या आवासीय विद्यालय, जिला बीजापुर में भी कक्षा 9वीं प्रवेश के लिए 3 से 9 सितंबर तक काउंसलिंग होगी। यदि इस अवधि के बाद सीटें रिक्त रहती हैं तो प्रतीक्षा सूची के विद्यार्थियों को 10 से 15 सितंबर तक काउंसलिंग का अवसर दिया जाएगा यह प्रक्रिया प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, फुडियारी, जनता कॉलोनी, एफडीआई गोदाम के पास, रायपुर में सुबह 11 से शाम 4 बजे तक होगी जारी सूचना के अनुसार 4 से 6 सितंबर तथा 12 से 15 सितंबर तक शासकीय अवकाश के कारण काउंसलिंग नहीं होगी

विद्यार्थियों को निर्धारित काउंसलिंग दिवस के अनुसार ही उपस्थित होना होगा काउंसलिंग के दौरान कक्षा 8वीं में प्रथम श्रेणी यानी न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक की अंकसूची, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, विशेष पिछड़ी जनाति प्रमाण पत्र तथा निर्धारित शपथ पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा विशेष पिछड़ी जनाति प्रमाण पत्र संबंधित प्रमाण पत्र भी देना होगा। प्रवेश के बाद पात्र विद्यार्थियों को दो दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित टीसी और जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकलसेल जांच प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा काउंसलिंग से संबंधित जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में बीते एक सप्ताह के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री और मादक पदार्थों



की अवैध खेती के खिलाफ की गई कार्रवाई में पुलिस ने 2 करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ और अन्य संपत्ति जब्त की है कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है पुलिस की अलग-अलग

टीमों ने सूचना तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए डोडाचूरा, कोकीन, सैक, गांजा, चरस, ब्राउन शुगर, नशीली कफ सिरप और अन्य प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए कई मामलों में पुलिस ने मादक पदार्थों के परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन भी जब्त किए हैं। वहीं कुछ स्थानों पर अवैध रूप से गांजे की खेती किए जाने का भी खुलासा हुआ है पुलिस के अनुसार नशे के अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ लगातार निगरानी का रही है। तस्करी और अवैध बिक्री के साथ-साथ मादक पदार्थों के ख़ात तक पहुंचने के प्रयास भी किए जा रहे हैं नशे के खिलाफ अभियान में नीमच पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस चौकी कंजाडी की टीम ने मादक

पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए424 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया जब डोडाचूरा की अनुमानित कीमत करीब63 लाख 60 हजार रुपये बताई गई है मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया इसी जले में थाना जीरन पुलिस ने भी मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने12 किबंटल 70 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक को भी जब्त किया गया। मादक पदार्थों और वाहन समेत जब्त संपत्ति की कीमत करीब65 लाख रुपये बताई गई है इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। नीमच जिले को इन दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने संयुक्त रूप से1 करोड़ 28 लाख रुपये से

अधिक की संपत्ति जब्त की बड़ी मात्रा में डोडाचूरा की बरामदगी को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। इंदौर के थाना चंदन नगर क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक विदेशी महिला आरोपी को गिरफ्तार किया पुलिस ने उसके कब्जे से57.18 ग्राम कोकीन बरामद की इसके अलावा मोबाइल फोन समेत करीब29 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई पुलिस द्वारा मामले में आरोपी से पूछताछ कर नशीले पदार्थ की उपलब्धता और उसके संभावित नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है कार्रवाई से स्पष्ट है कि पुलिस नशीले पदार्थों की स्थानीय बिक्री के साथ इनके पीछे सक्रिय आपूर्ति तंत्र पर भी नजर रख रही है।

संक्षिप्त समाचार

जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को 7-7 साल की जेल सागर में हत्या के प्रयास हुआ था केस, दो युवकों पर किया था चाकू से हमला



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर हत्या के प्रयास के मामले में अदालत ने दो आरोपियों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने नसीम खान और सईम खान को 7-7 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। दोनों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन के अनुसार, रविवार 15 फरवरी 2025 की रात गोपालगंज क्षेत्र की हरदास लंबरदार वाली गली में नसीम खान और सईम खान ने आम रास्ते पर अश्लील गालियां देकर विवाद किया। विवाद बढ़ने पर दोनों ने एकराय होकर रिजवान और नवाजिश पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में नसीम खान ने रिजवान और सईम खान ने नवाजिश को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में गोपालगंज थाना पुलिस ने 16 फरवरी 2025 को केस दर्ज किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए।

साक्ष्यों के आधार पर दोषी करार: जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने मामले से जुड़े साक्ष्य और दस्तावेज अदालत में पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने नसीम खान और सईम खान को दोषी माना। अदालत ने दोनों आरोपियों को 7-7 साल के सश्रम कारावास और 5-5 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

जंगली सूअरों ने मक्के की फसल रौंदी

किसानों ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन; फसल



नुकसान का मुआवजा-सर्वे कराने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र के कांसखेड़ी गांव के किसानों ने बताया कि खेतों में मक्के की फसल तैयार हो रही है। इसी दौरान जंगली सूअरों के झुंड लगातार खेतों में पहुंचकर खड़ी फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

खाद-बीज और दवाइयों पर हुआ खर्च: किसानों का कहना है कि मक्के की फसल तैयार करने में खाद, बीज, दवाई और अन्य कृषि कार्यों पर काफी लागत आई है। यदि जंगली सूअर इसी तरह फसल को बर्बाद करते रहे तो किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो जाएगा।

सर्वे कराकर उचित मुआवजे की मांग: किसानों ने तहसीलदार के नाम नाथब तहसीलदार आलोक भद्र को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित खेतों का जल्द सर्वे कराने की मांग की है। किसानों ने कहा कि नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही जंगली जानवरों से फसल बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

औद्योगिक विभाग की



भूमि का सीमांकन

मीडिया ऑडीटर, बिदिशा (निप्र)। जिले में शासकीय भूमि के सीमांकन एवं अभिलेखों के अनुसार भूमि की स्थिति स्पष्ट करने की कार्यवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में ग्राम धनोरा हवेली में औद्योगिक विभाग के स्वामित्व वाली भूमि का विधिवत सीमांकन कराया गया। सीमांकन की कार्यवाई के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों की मौजूदगी में भूमि के उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, नक्शों एवं मौके की स्थिति का मिलान किया गया। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत भूमि की सीमाओं का चिह्नंकन किया गया, जिससे औद्योगिक विभाग की भूमि की वास्तविक स्थिति एवं सीमा स्पष्ट हो सके। अधिकारियों द्वारा मौके पर भूमि की स्थिति का निरीक्षण करते हुए सीमांकन से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दर्ज की गई। सीमांकन की इस कार्यवाई से औद्योगिक विभाग की भूमि की पहचान और सीमा निर्धारण को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

मंदसौर में 21.47 लाख की ड्रग्स पकड़ी

अपाचे बाइक और 190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त, राजस्थान का सप्लायर फरार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाई करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपाचे बाइक से एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जा रहे थे। मंगलवार शाम पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों को रोका और तलाशी ली।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स, 3.6 किलो डोडाचूरा, दो आईफोन और एक सैमसंग मोबाइल जब्त किया है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 21 लाख 47 हजार रुपए बताई गई है।

लाभमुनि अस्पताल के पास नाकाबंदी कर पकड़ा: पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक से मादक पदार्थ लेकर मंदसौर से सीतामऊ की ओर जाने वाले हैं। सूचना के बाद थाना प्रभारी



कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय के पास मंदसौर-सीतामऊ रोड पर नाकाबंदी की। इसी दौरान काले रंग की टीवीएस अपाचे बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोककर तलाशी ली। दोनों के बीच रखे बैग की जांच करने पर उसमें एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा मिला। पुलिस ने नयापुरा मंदसौर निवासी नाजिश (19) और शाहरुख (28) को गिरफ्तार कर लिया।

190 ग्राम एमडी और 3.6 किलो डोडाचूरा मिला: पुलिस के अनुसार, आरोपियों से 190 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलीं। इसकी कीमत करीब 19 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा 3.6 किलो डोडाचूरा जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 7 हजार रुपए है। टीवीएस अपाचे बाइक की कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दो एमएल और एक

सैमसंग मोबाइल भी जब्त किए हैं। इनकी कीमत करीब 1.70 लाख रुपए आंकी गई है।

राजस्थान से लाने की बात कही: पुलिस पृच्छाछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वे मादक पदार्थ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के हतुनिया निवासी अय्यब पठान से लेकर आए थे। पुलिस ने अय्यब पठान को मामले में फरार आरोपी बनाया है और उसकी तलाश की जा रही है। नई आबादी थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 150/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15, 22 और 29 में केस दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी महंगे शौक पूरे करने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हुए थे। इनमें से शाहरुख एयरटेल कंपनी में काम करता है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

रतलाम में ऑनलाइन वॉच सेलिंग करने के नाम पर ठगी

टेलीग्राम पर मैसेज भेज अलग-अलग खातों में जमा कराए 6.43 लाख, हरिद्वार व कोटा से दो ठग गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में टेलीग्राम पर ऑनलाइन घड़ियां बेचकर डबल मुनाफा कमाने का लालच देकर 6.43 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को जावरा पुलिस ने साइबर सेल की मदद से गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को हरिद्वार और दूसरे को राजस्थान के कोटा से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

टेलीग्राम पर भेजा मैसेज, ऑनलाइन काम का दिया झांसा: औद्योगिक क्षेत्र जावरा थाने में दर्ज मामले के अनुसार 29 दिसंबर 2025 को फरियादी के टेलीग्राम पर मैसेज आया था। इसमें ऑनलाइन घड़ियां सेल करने का काम बताकर मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। फरियादी मजदूरी करता था और आरोपियों की बातों में आ गया। आरोपियों ने उसे एक वेबसाइट का लिंक, आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया। शुरुआत में रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर 10 हजार रुपए जमा कराए गए। इसके बाद फरियादी को ऑनलाइन घड़ियां बेचने पर मुनाफे की राशि मिलने की जानकारी दी गई। खाते में रकम आने की बात से उसका आरोपियों पर भरोसा बढ़ गया।

अलग-अलग खातों में जमा कराए 6.43 लाख:



इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करने पर दोगुना मुनाफा देने का लालच दिया। फरियादी ने आरोपियों के बताए खातों में कई ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 6 लाख 43 हजार 285 रुपए जमा कर दिए। रकम जमा करने के बाद आरोपियों ने न तो मुनाफे की राशि दी और न ही मूल रकम वापस की। ठगी का अहसास होने पर फरियादी ने औद्योगिक क्षेत्र जावरा थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

बैंकिंग और डिजिटल साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: जावरा पुलिस और रतलाम साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बैंक खातों में हुए लेन-देन, डिजिटल जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसके आधार पर आरोपियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस टीम ने अश्वनी अरोरा (निवासी हरिद्वार) को हरिद्वार से और अनिमेष जैन (निवासी बारां, राजस्थान) को कोटा से गिरफ्तार किया। पुलिस अब आरोपियों से ठगी में इस्तेमाल बैंक खातों, मोबाइल नंबर्स, अन्य सहयोगियों और ठगी की रकम के लेन-देन के संबंध में पृच्छाछ कर रही है। साथ ही रकम की रिकवरी और अन्य आरोपियों की तलाश के प्रयास जारी हैं।

साइबर ठगी के मामले में 1.30 करोड़ से अधिक पर कार्यवाई : रतलाम साइबर सेल ने अगस्त 2026 तक साइबर अपराध से जुड़े 89 कोर्ट ऑर्डर के तहत 1.30 करोड़ रुपए से अधिक की राशि के संबंध में कार्यवाई की है। इनमें 49 साइबर शिकायतों में 37.06 लाख रुपए से अधिक की राशि पीड़ितों को रिफंड कराई जा चुकी है।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हुआ निराकरण



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। प्रति मंगलवार की भांति कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा आमजन की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में आए आवेदकों से उनकी समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक शीघ्रता से निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदसौर में रिहायशी इलाके में घुसा 4 फीट का मगरमच्छ

ग्रामीणों ने रस्सी से पकड़ा और शिवना नदी में छोड़ा, वन विभाग ने दी सावधानी की सलाह



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के रतन पिपलिया गांव में मंगलवार रात करीब 10:30 बजे एक मगरमच्छ का बच्चा रिहायशी इलाके में पहुंच गया। करीब 3 से 4 फीट लंबे मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोगों ने सावधानी बरतते हुए उसे रस्सी की मदद से पकड़ा और पास की शिवना नदी में छोड़ दिया।

मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़: रिहायशी इलाके में मगरमच्छ

दिखाई देने से कुछ देर के लिए लोगों में घबराहट की स्थिति रही। हालांकि, ग्रामीणों ने मिलकर उसे काबू में कर लिया। इस दौरान वन विभाग को सूचना नहीं दी गई और ग्रामीणों ने खुद ही मगरमच्छ को पकड़कर नदी में छोड़ दिया।

वन विभाग बोला- प्रशिक्षित टीम से कराया जाता है रेस्क्यू: जिला फॉरेस्ट अधिकारी संजय रायखेरे ने बताया कि मगरमच्छ के रेस्क्यू में पूरी सावधानी जरूरी होती है। प्रशिक्षित टीम

सबसे पहले उसे चारों तरफ से घेरती है। इसके बाद विशेष स्टिक की मदद से गर्दन को नियंत्रित किया जाता है, ताकि वह हमला न कर सके। फिर उसके मुंह को मजबूत रस्सी से बांधा जाता है और शरीर के अन्य हिस्सों को भी सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया जाता है। इसके बाद मगरमच्छ को रेस्क्यू वाहन में रखकर नदी या बड़े तालाब जैसे सुरक्षित जलस्रोत में छोड़ा जाता है।

बारिश में पानी के साथ रहवासी इलाकों तक पहुंचते हैं: संजय रायखेरे के मुताबिक मल्हारगढ़, नारायणगढ़ और नाहरगढ़ क्षेत्र में नदियों और उनसे जुड़े नालों का जाल है। बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने पर कई बार मगरमच्छ बहकर आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास पहुंच जाते हैं। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू करती है। उन्होंने कहा कि यदि आपात स्थिति हो और मगरमच्छ छोटा हो तो ग्रामीणों द्वारा उसे सावधानी से काबू करना अच्छी पहल है, लेकिन खुद जोखिम लेने के बजाय वन विभाग को सूचना देना ज्यादा सुरक्षित है।

सिरोंज में विद्यार्थियों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

एसडीईआरएफ टीम ने सीपीआर, प्राथमिक उपचार, अग्नि सुरक्षा एवं सर्पदंश से बचाव के बताए उपाय

मीडिया ऑडीटर, बिदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगढ़, जिला बिदिशा श्री मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में बुधवार को केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल, सिरोंज में आपदा प्रबंधन जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीईआरएफ (स्वस्थरत्न) टीम ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टॉफ को विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचाव और आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित व्यवहार की जानकारी दी।



प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बाढ़, भूकंप, अग्निकांड, आकाशीय बिजली, सर्पदंश सहित अन्य आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षकों ने समझाया कि आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय संयम, सतर्कता और सूझबूझ से कार्य करना चाहिए। साथ ही स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ आसपास मौजूद लोगों की सहायता करने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण से समझाए बचाव के तरीके: एसडीईआरएफ टीम द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर (CPR), प्राथमिक उपचार, अग्नि दुर्घटना से बचाव तथा सर्पदंश की स्थिति में आवश्यक सावधानियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए इमप्रोवाइज्ड बचाव उपकरण तैयार

करने की प्रक्रिया भी विद्यार्थियों को समझाई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि आपदा के समय शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में प्राथमिक उपचार, सीपीआर तथा सुरक्षित बचाव की जानकारी किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विद्यार्थियों को विभिन्न परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और उपलब्ध संसाधनों का सुरक्षित तरीके से उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।

● दामिनी एवं सचेत ऐप के उपयोग की दी जानकारी

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टॉफ को दामिनी ऐप और सचेत ऐप के महत्व एवं उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि दामिनी ऐप आकाशीय बिजली एवं वज्रपात से संबंधित पूर्व चेतावनी प्राप्त करने में सहायक है। वहीं सचेत ऐप विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित अलर्ट एवं सुरक्षा दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने में उपयोगी है। विद्यार्थियों को इन ऐप्स का उपयोग करने के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों को भी इनके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि आपदा की स्थिति में समय रहते आवश्यक सावधानियां बरती जा सकें।

● विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया प्रशिक्षण

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने प्रशिक्षकों से आपदा के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी प्राप्त की तथा व्यावहारिक प्रदर्शन को ध्यानपूर्वक देखा। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर श्री महेश पटवा ने एसडीईआरएफ टीम द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इससे उनमें आपदा के समय सही निर्णय लेने, स्वयं को सुरक्षित रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की सहायता करने का आत्मविश्वास विकसित होता है। उन्होंने एसडीईआरएफ टीम का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीईआरएफ टीम के जवान देवेंद्र सिंह परमार, माधव कुशवाह, गौरव रघुवंशी, देवेंद्र किलोरीया, सचिन कुशवाह एवं संदीप ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन चार-दिवसीय मैच खेलेगी इंडिया ए टीम



क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड) : इंडिया ए 24 अक्टूबर से 10 नवंबर तक न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन मैचों की चार-दिवसीय रेड-बॉल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इससे भारतीय टीम को 'ब्लैक फेस' (न्यूजीलैंड टीम) के खिलाफ होने वाली दो-टेस्ट मैचों की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) सीरीज से पहले अच्छी तैयारी का मौका मिलेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार तीनों मैच क्राइस्टचर्च के बर्ट सटविलफ ओवल और हेगली ओवल में खेले जाएंगे। यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड दौरे (जिसमें व्हाइट-बॉल मैच शामिल हैं) के साथ-साथ चलेगी। पहला चार-दिवसीय मैच 24 से 27 अक्टूबर तक, दूसरा 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक और तीसरा 7 से 10 नवंबर तक खेला जाएगा। इन मैचों से न्यूजीलैंड के प्रमुख घरेलू रेड-बॉल खिलाड़ियों को भारत के उभरते हुए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने की कोशिश कर रहे खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने का मौका भी मिलेगा। तीनों मैचों में एंटी फ्री होगी, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग न्यूजीलैंड क्रिकेट के यूटयुब चैनल पर उपलब्ध होगी और लाइव स्कोर ईंड की वेबसाइट पर दिखाए जाएंगे। इंडिया ए की यह सीरीज भारत के घरेलू रणजी ट्रॉफी सीजन के दौरान होगी, जो 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसलिए, न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुने गए खिलाड़ी अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए मैच नहीं खेल पाएंगे। वहीं न्यूजीलैंड ए के खिलाड़ी देश के घरेलू कैलेंडर में व्यस्त रहेंगे। क्रिकइंडो के अनुसार 19 नवंबर को एलेक्ट शील्ड फर्स्ट-वलास प्रतियोगिता शुरू होने से पहले 28 अक्टूबर से 12 नवंबर तक कोई ट्रॉफी खेली जाएगी। उम्मीद है कि यह चार-दिवसीय सीरीज दोनों टीमों के लिए सीनियर टीमों के बीच होने वाले दो-टेस्ट मैचों के मुकाबले से पहले महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। भारत का न्यूजीलैंड दौरा (पांच T20I और पांच वनडे) 22 अक्टूबर से शुरू होकर 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद टेस्ट सीरीज शुरू होगी जिसका पहला मैच वेलिंगटन में 19 से 23 नवंबर तक और दूसरा टेस्ट क्राइस्टचर्च में 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक खेला जाएगा। यह दो-टेस्ट मैचों की सीरीज मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के लिहाज से भी अहम होगी। स्टैंडिंग में न्यूजीलैंड अभी तीसरे नंबर पर है, जबकि भारत पांचवें नंबर पर है। न्यूजीलैंड को दिसंबर-जनवरी में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और मौजूदा WTC साइकल के दौरान उसे श्रीलंका के साथ घरेलू सीरीज और पाकिस्तान के साथ विदेशी सीरीज भी खेलनी है। वहीं भारत इस साइकल में अपने मैच पूरे करने के लिए जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगा। ऐसे में इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच होने वाले मैच दोनों टीमों को अपनी रेड-बॉल टीम की गहराई को परखने और ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करने का मौका देंगे जो सीनियर टेस्ट टीम में जगह बनाने के दावेदार हो सकते हैं।

मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़े बदलावों पर उठाए सवाल, यह फैसला सिर्फ प्रदर्शन से जुड़ा नहीं लगता



नई दिल्ली : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के दौरान किए गए बड़े बदलावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि 'अंदरूनी उथल-पुथल और मतभेदों के पुराने दौर' को दर्शाता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम के 0-2 से पिछड़ने के बाद बड़ा बदलाव किया। बोर्ड ने तीसरे टेस्ट से पहले सात खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के दो सदस्यों को घर वापस भेज दिया। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए यूसुफ ने कहा कि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को वापस बुलाने का फैसला सिर्फ प्रदर्शन से जुड़ा नहीं लगता। यूसुफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अधिकारियों का मौजूदा दौरे से खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को वापस बुलाने का हालिया फैसला सिर्फ प्रदर्शन से जुड़ा नहीं लगता।' उन्होंने आगे कहा, 'आखिरकार, हम जहीर अब्बास, जावेद मियांदाद, इजमाम-उल-हक या सईद अनवर जैसे दिग्गजों को उनकी जगह नहीं भेज रहे हैं। इसके बजाय, यह कदम अंदरूनी उथल-पुथल, मतभेदों और विवादों के उस पुराने दौर को दर्शाता है जिसने लंबे समय से पाकिस्तान क्रिकेट को परेशान किया है।' पाकिस्तान के लिए 90 टेस्ट खेले और 7,500 से ज्यादा रन बनाने वाले यूसुफ ने कहा कि 1992 में टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत के बाद से ही अस्थिरता बार-बार लौटती रही है। उन्होंने कहा, '1992 वर्ल्ड कप की शानदार जीत के बाद से ही ऐसी उथल-पुथल बार-बार सामने आई है, जिससे स्थिरता खत्म हुई है और ध्यान खेल से भटका है।'

बायर्न म्यूनख एकेडमी के प्रमुख ने तैयार किया भारतीय फुटबॉल का रोडमैप, कहा- चीन वाली गलती न दोहराएं

नई दिल्ली : भारत लंबे समय से फुटबॉल को विकसित करने के सही फॉर्मूले की तलाश में है। पिछले कुछ सालों में कई अकादमियां, लीग, विदेशी पार्टनरशिप और पाथवे प्रोग्राम शुरू के बावजूद निरंतरता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। हाल ही में जर्मनी की यात्रा के दौरान हृष्टझङ्ग ने प्रमुख फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनख की विश्व-प्रसिद्ध अकादमी का दौरा किया और बायर्न के फंस के डायरेक्टर जोचेन सॉयर से जमीन से जुड़कर एक सफल फुटबॉल सिस्टम का ब्लूप्रिंट जाना। सॉयर ने माना कि उन्हें भारतीय फुटबॉल की गहरी जानकारी नहीं है और इस बात पर जोर दिया कि देश के पास पहले से ही एक जरूरी चीज मौजूद है और वो है खेल के प्रति सच्चा जुनून। सॉयर के अनुसार

बड़ी चुनौतियां एक स्पष्ट विकास ढांचा तैयार करने, बेहतर तरीका तैयार करने और सबसे जरूरी बात, एक लंबी अवधि की रणनीति को नतीजे देने के लिए पर्याप्त समय देने में हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत को बुनियादी

बातों पर ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेल में रुचि रखने वाले युवाओं को खेलने के भरपूर मौके मिलें।

● सवाल : भारत जैसा देश बायर्न के फंस से क्या सीख सकता है?

जोचेन सॉयर : मेरे लिए इसका जवाब देना मुश्किल है क्योंकि मैं भारतीय फुटबॉल की बारीकियों में ज्यादा शामिल नहीं रहा हूँ। लेकिन मेरा मानना ? है कि भारतीय लोग आम तौर पर खेल के प्रति बहुत समर्पित हैं, और इससे पहले से ही मदद मिलती है। भारत एक ऐसा देश भी है जिसने पिछले कुछ दशकों में बहुत ज़ीरो से तरक्की की है। अगर आप किसी खेल को उच्चतम स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, तो सबसे जरूरी चीज ढांचा है। देश को यह सोचना होगा कि फुटबॉल का ढांचा कैसा होना चाहिए। लीग सिस्टम क्या है? युवा सिस्टम क्या है? हम कैसे बेहतर तरीके से टैलेंट को उच्चतम स्तर पर एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करने के लिए ला सकते हैं? सबसे जरूरी बात एक ढांचा खोजना है।

प्रज्ञानन्दा फिर बने भारत के नंबर-1 विश्व शतरंज रैंकिंग में आठवें स्थान पर

नई दिल्ली : प्रज्ञानन्दा के लिए यह पिछले कुछ महीनों में शानदार वापसी है। मई 2026 में वह 2733 रेटिंग के साथ विश्व नंबर-17 पर थे, लेकिन इसके बाद नौवें चेस और ग्रैंड चेस टूर में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने तेजी से अपनी रैंकिंग में सुधार किया। विश्व रैंकिंग में मैग्नस कार्लसन 2823 अंकों के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। हिकारू नाकामुरा 2792 अंकों के साथ दूसरे और करुआना 2789 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 2778 के साथ चौथे स्थान पर हैं।

भारत के टॉप खिलाड़ी-सितंबर की सूची में प्रज्ञानन्दा 2761 अंकों के साथ भारत के नंबर-1 खिलाड़ी हैं। उनके बाद अर्जुन एरिगोसी 2759 नौवें, निहाल सरिन 2718 रेटिंग के साथ 25वें, जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश 2703 अंकों के साथ 32वें स्थान पर हैं। विदित गुजरती 2697 अंकों के साथ 33वें स्थान पर हैं।

युवा भारतीय खिलाड़ियों में प्रणव वेंकटेश ने भी शानदार छलांग लगाई है। 2677 रेटिंग के साथ वह जूनियर विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों की बड़ी छलांग-महिला रैंकिंग में चीन की हाउ यीफान 2596 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम हैं। पूर्व विश्व चैंपियन जू वेंजुन 2553



के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत की दिव्या देशमुख 2490 अंकों के साथ स्थान पर हैं, जबकि हम्पी कोनेरू 2509 के साथ नौवें स्थान पर हैं। वैशाली रमेशाबाबू 2469 अंकों के साथ 16वें स्थान पर हैं।

सबसे बड़ी छलांग भारतीय युवा खिलाड़ियों में देखने को मिली। 14 वर्षीय मोदिपल्ली दीक्षित

ने एक महीने में 297 रेटिंग अंक हासिल करते हुए 2454 की रेटिंग के साथ महिला विश्व रैंकिंग में 23वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं कल्याणी सिरिन 184 अंक की बढ़त के साथ 2401 और प्रतीती बरदोलोई 141 अंक की बढ़त के साथ 2393 पर पहुंच गई हैं।

कप्तान तिलक वर्मा के नाबाद अर्धशतक से साउथ जोन की फाइनल में एंट्री

बेंगलुरु: साउथ जोन ने 2026/27 दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। कप्तान तिलक वर्मा ने नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। साउथ जोन अब खिताबी मुकाबले में ईशान किशन की अगुवाई वाली ईस्ट जोन से भिड़ेगा।

बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) ग्राउंड-2 पर खेले गए सेमीफाइनल के आखिरी दिन साउथ जोन के सामने 181 रन का लक्ष्य था, जिसे टीम ने 43.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पहली पारी में 116 के बाद फिर चमके तिलक-तिलक वर्मा ने दूसरी पारी में 79 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 116 रन की नाबाद पारी खेली थी। जीत के दौरान तिलक ने रविचंद्रन स्मरण के साथ चौथे विकेट के लिए नाबाद 80 रन की साझेदारी की। स्मरण 32 रन बनाकर नाबाद



रहे और दोनों ने मिलकर साउथ जोन को बिना किसी और नुकसान के लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

नॉर्थ जोन की दूसरी पारी 297 रन पर सिमटी- दिन की शुरुआत नॉर्थ जोन ने साउथ जोन

के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने की उम्मीद के साथ की थी। हालांकि साउथ जोन के तेज गेंदबाज एमडी निधीश ने निचले क्रम को ज्यादा देर टिकने नहीं दिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज निधीश ने नॉर्थ

हांगकांग के खिलाफ बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना चाहेगा भारत



दुबई। अपनी पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के बावजूद बल्लेबाजी भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है और वह महिला टी20 एशिया कप में पाकिस्तान से भिड़ने से पहले हांगकांग के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच में इस विभाग की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगा। वनडे प्रारूप में चार और टी20 प्रारूप में तीन एशिया कप खिताब जीतने वाली भारतीय

टीम के बल्लेबाज थाईलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। भारत ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की थी और 10 ओवर के बाद उसका स्कोर दो विकेट पर 101 था और लग रहा था कि टीम 200 से अधिक रन बनाने में सफल रहेगी लेकिन 29 रन के अंदर सात विकेट गंवाने से वह 159 रन ही बना पाई। इससे हालांकि मैच के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि भारत

ने थाईलैंड को 94 रन से आसानी से हरा दिया। इस मैच में बड़ी जीत के बावजूद भारतीय टीम प्रबंधन सहज नहीं हो सकता क्योंकि किसी बड़ी टीम के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन महंगा पड़ सकता है।

भारत को हांगकांग के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और इसलिए वह इस मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। भारत के लिए पहले मैच में शेफाली वर्मा ने 64 रन की तूफानी पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन किया, वहीं दीप्ति शर्मा ने भी अपनी कार्बलियत साबित करते हुए बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए। इससे वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी बन गईं। लेकिन स्मृति मंधाना और चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह टीम में शामिल की गई प्रतिका रावल को अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी अपने फॉर्म और सबसे छोटे प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

एशेज से पहले माइकल हसी का बड़ा फैसला, इंग्लैंड का ऑफर टुकराया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइकल हसी ने इंग्लैंड के टेस्ट बैटिंग कोच बनने का ऑफर टुकरा दिया है। एशेज 2027 की तैयारियों के बीच हसी ने इंग्लैंड के साथ फुल-टाइम भूमिका निभाने के बजाय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) के साथ पार्ट-टाइम कंसल्टंट्स भूमिका स्वीकार करने का फैसला किया है। इस फैसले से ऑस्ट्रेलिया के बैकरूम स्टाफ को अनुभवी चेहरा मिलेगा, जबकि इंग्लैंड को अब अपने स्थायी बैटिंग कोच की तलाश दोबारा शुरू करना होगी। माइकल हसी ने ऑस्ट्रेलिया को वयां चुना द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ हसी की कंसल्टंट्स भूमिका उन्हें अपने दूसरे पेशेवर काम जारी रखने की पर्याप्त आजादी देती है। 151 वर्षीय हसी अभी भी फ्रेंचाइजी क्रिकेट से जुड़े हुए हैं। वह चैनई सुपर किंग्स (CSK) और वेल्श फायर के साथ कोचिंग जिम्मेदारियां निभाते हैं।



'उम्मीद अभी जिंदा है', T20I टीम में जगह न मिलने पर कृणाल पंड्या का छलका दर्द

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान होते ही कृणाल पंड्या का एक cryptic सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में आ गया। 35 वर्षीय ऑलराउंडर को 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली, जिसके कुछ चंटे बाद उन्होंने इस्ट्राग्राम स्टोरी पर भारतीय झंडे और क्रॉस की हुई उंगलियों वाली तस्वीर शेयर की। इसके साथ कृणाल ने सिर्फ इतना लिखा, 'Hope Is Still Alive', यानी 'उम्मीद अभी जिंदा है।' उनके इस पोस्ट को भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद से जोड़कर देखा जा रहा है।



● 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर है कृणाल

कृणाल पंड्या ने आखिरी बार भारत के लिए 2021 में खेला था। इसके बाद से वह घरेलू क्रिकेट में बड़ीदा के लिए लगातार सक्रिय रहे हैं और राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद बनाए हुए हैं। अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम चयन से पहले उनके नाम को लेकर चर्चा इसलिए भी तेज हुई थी क्योंकि पिछले दो IPL सीजन में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के लिए शानदार प्रदर्शन किया। अक्षर पटेल को चुना गया, कृणाल को नहीं मिली जगह चयनकर्ताओं ने अंततः अक्षर पटेल पर भरोसा कायम रखा और कृणाल को अंतिम 15 में जगह नहीं दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षर की फॉर्म में गिरावट के बीच चयन समिति ने कृणाल को बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर संभावित विकल्प के रूप में देखा था।

● रिकी भुई ने टी तेज शुरुआत

181 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे साउथ जोन को सलामी बल्लेबाज रिकी भुई ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने शानदार शॉट्स लगाते हुए 42 रन बनाए और शुरुआती चरण में लक्ष्य को तेजी से कम किया। हालांकि लंच से ठीक पहले और उसके बाद नॉर्थ जोन ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अबिद मुश्ताक ने साउथ जोन के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। 102/3 पर लड़खड़ाया साउथ जोन गुरनूर बरार ने रिकी भुई को आउट किया, जिसके बाद अबिद मुश्ताक ने शेख रशीद को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद उन्होंने नारायण जगदीशन को 43 रन पर स्टंप आउट कराया।

जोन की दूसरी पारी के आखिरी तीन विकेट झटके और 5/56 के शानदार आंकड़े दर्ज किए।

T20I टीम से बाहर होने के बाद भारतीय युवा बल्लेबाज का बल्ले से जवाब

47 गेंदों में ठोके 125 रन



मोहाली: जालंधर वॉरियर्स के कप्तान और भारतीय युवा बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने भारतीय T20I टीम में जगह नहीं मिलने के बाद अपने बल्ले से जोरदार जवाब दिया। शेर-ए-पंजाब T20I लीग 2026 में अमृतसर सुर्मास के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 47 गेंदों में नाबाद 125 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी के दम पर जालंधर ने 265 रन का बड़ा लक्ष्य महज 16.5 ओवर में 8 विकेट से हासिल कर लिया। प्रभसिमरन को अफगानिस्तान के खिलाफ T20I सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। इससे पहले वह जिम्बाब्वे दौरे पर टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें डेब्यू करने का मौका नहीं मिला था। टीम से बाहर होने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने शेर-ए-पंजाब T20I लीग में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को टूर्नामेंट की पहली जीत दिलाई। प्रभसिमरन ने अपनी नाबाद 125 रन की पारी में 14 चौके और 8 छक्के लगाए। उन्होंने महज 41 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। उनकी बल्लेबाजी इतनी आक्रामक थी कि जालंधर वॉरियर्स ने 265 रन जैसे बड़े लक्ष्य को भी सिर्फ 16.5 ओवर में हासिल कर लिया।

● पावरप्ले में ही मचा दिया तहलका

265 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जालंधर ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। तीसरे ओवर में प्रभसिमरन ने आकाश पांडे के ओवर में चार चौके और एक छक्का लगाया। इसके अगले ओवर में विश्वनाथ सिंह ने जयप्रताप सिंह जोहल के खिलाफ एक चौका और लगातार तीन छक्के जड़ दिए। विश्वनाथ 12 गेंदों में 31 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इसके बाद भी जालंधर की रफ्तार कम नहीं हुई। हरजस सिंह टंडन ने भी आते ही छक्का लगाया। प्रभसिमरन ने अमृतसर के कप्तान अभिषेक शर्मा को भी नहीं बरखा और उनके ओवर में दो छक्के लगाए। प्रभसिमरन ने सिर्फ 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।



‘रंग-तरंग’ में गूँजे छत्तीसगढ़ के लोकवाद्य, लोकधुनों से आधुनिक सुरों तक दिखा संस्कृति का रंग



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंगीत परंपरा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और आधुनिक संगीत के सुरों को एक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन ‘रंग-तरंग’ का मंगलवार को महंत घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित मुक्ताकाशी मंच पर शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में लोकवाद्यों की गूंज, शास्त्रीय वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों और लोकगायन की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया। ‘रंग-तरंग’ का आयोजन 1 से 3 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोक एवं वाद्य संगीत परंपरा को संरक्षित करने, नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा लोक एवं वाद्य संगीत से जुड़े कलाकारों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।

पहले दिन सजी सुरों की महफिल: आयोजन के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न वाद्य एवं संगीत प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक वादन (फ्यूजन) की प्रस्तुति श्री विवेकानंद भारती एवं साधियों ने दी। गियानो वादन में मोहम्मद अयान रायकर, तबला वादन में नागिर खान, अबिकापुर, बासुरी वादन में श्री तारकेश्वर वर्मा, रायपुर तथा लोक गायन में राहुल उखरु, रायपुर ने अपनी प्रस्तुतियों से सुरों की मनमोहक छटा बिखेरी। लोकधुनों और पारंपरिक वाद्यों के साथ आधुनिक संगीत के सुरों का संगम कार्यक्रम की खासियत रहा। प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की सहजता और विविधता के साथ संगीत के नए प्रयोगों की झलक भी देखने को मिली।

परंपरा और आधुनिकता का संगम जरूरी : डॉ. संजय कन्नौजे संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति और संगीत परंपरा से है। यहां के पारंपरिक वाद्ययंत्र केवल संगीत के साधन नहीं हैं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि ‘रंग-तरंग’ के माध्यम से पारंपरिक लोकवाद्यों और लोकधुनों को आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ ही कलाकारों को व्यापक पहचान दिलाने में मदद मिलेगी। डॉ. कन्नौजे ने कहा कि वाद्य एवं संगीत कलाकारों के लिए ऐसे मंच उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलने से कलाकारों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें व्यापक स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। विभाग का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ की लोक एवं वाद्य संगीत परंपरा से जुड़े कलाकारों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें नए मंच उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परंपरा को आधुनिकता से जोड़ना आवश्यक है। लोकधुनों और पारंपरिक वाद्यों को नए संगीत प्रयोगों के साथ प्रस्तुत करने से युवा पीढ़ी भी सहज रूप से इससे जुड़ सकती है। ‘रंग-तरंग’ इसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस एवं समयबद्ध उपस्थिति में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अधिकारी कर्मचारी को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा कार्यालयीन समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को जुलाई माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी प्रकार से ई-ऑफिस में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग को दूसरा तथा ग्रामोद्योग विभाग को तीसरे स्थान पर सम्मानित किया गया। मुख्य सचिव ने सभी सम्मानित प्रशंसा पत्र प्राप्त करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-ऑफिस में लगातार अच्छे



प्रदर्शन करें यही अपेक्षा है। उन्होंने आई-गाट पर प्रत्येक माह कम से कम 3 से 4 कोर्स

सचिव ने प्रदेश स्तर पर आई गाट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संयुक्त सचिव से कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में ई-ऑफिस रैंकिंग के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री सच्चिदानंद आलोक प्रथम, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती जयश्री जैन द्वितीय, आदिम जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत तृतीय स्थान पर सम्मानित किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उप सचिव श्री दूरदेशी राम सोन्टापर विभाग प्रथम स्थान, श्रम विभाग के उप सचिव श्री विपुल कुमार गुप्ता द्वितीय स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-8) के उप सचिव श्रीमती ऋतु वामा तृतीय स्थान पर सम्मानित किया हुए। गृह विभाग के अपर सचिव श्री पून लाल साहू

प्रथम स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-1) के अपर सचिव श्री कैलाश कुमार नेताम द्वितीय स्थान, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अपर सचिव श्रीमती दिव्या वैष्णव तृतीय स्थान पर सम्मानित किया। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अनुभाग अधिकारी श्री वीरेन्द्र कुमार प्रथम स्थान, अनुभाग अधिकारी श्री जौन लाल नेताम द्वितीय स्थान, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अनुभाग अधिकारी श्री योगेन्द्र कुमार साहू तृतीय स्थान पर सम्मानित किया हुए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सहायक अनुभाग अधिकारी श्री मोहम्मद शाहिर अंसारी प्रथम स्थान, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के सहायक अनुभाग अधिकारी श्रीमती प्रिया बागडे द्वितीय स्थान, सामान्य प्रशासन विभाग (कक्ष-4) के सहायक अनुभाग अधिकारी श्री जलेश राम तृतीय स्थान पर सम्मानित हुए।

धमतरी में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वर्गीय छोटेलाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से बचाने और कुपोषण-मुक्त स्वस्थ भारत के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान’ और ‘राष्ट्रीय पोषण माह’ को समर्पित रहा, जिसमें कॉलेज के युवाओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वस्थ तथा जिम्मेदार जीवन जीने का संकल्प उठाया। युवाओं को सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष ने ज्ञानवर्धक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि युवावस्था जीवन की दिशा तय करने का सबसे स्वर्णिम पड़ाव है। युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा का उपयोग शिक्षा, खेल, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति के शरीर को ही नहीं तोड़ता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी अधिकार में धकेल देता है। वर्ष 2047 के



विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब देश की युवा शक्ति स्वस्थ, अनुशासित और जागरूक होगी। पोषण के पांच मुख्य सूत्रों, जीवन के पहले 1000 सुनहरे दिन, पोष्टिक आहार, एनीमिया रोकथाम, डायरिया प्रबंधन और स्वच्छता को जीवन में अपनाने कुपोषण के खिलाफ जंग पर बात करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी ने पोषण के महत्व और विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टूडिंग, वेस्टिंग और कम वजन जैसी समस्याओं से अवगत कराते हुए पोषण के पांच मुख्य सूत्रों, जीवन के पहले 1000 सुनहरे दिन, पोष्टिक आहार, एनीमिया रोकथाम, डायरिया प्रबंधन और स्वच्छता को जीवन में अपनाने की अपील की। इस अवसर पर नशामुक्ति, पोषण और स्वच्छता का संदेश देने के लिए रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों को जीवनभर नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ‘काम किया, मेहनत की और तय समय पर मजदूरी खाते में आ गई, अब परिवार की जरूरतें पूरी करने में कोई अड़चन नहीं आती।’ यह कहना है धमतरी जिले के ग्रामीण श्रमिकों का, जिनके लिए ‘विकसित भारत-जी रामजी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना’ (वीबी-जी रामजी योजना) आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बनकर उभरी है। योजना के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल श्रमिकों को गांव में ही रोजगार मिल रहा है, बल्कि उनकी मेहनत का उचित पारिश्रमिक सीधे उनके बैंक

खातों में पहुंच रहा है। 01 जुलाई 2026 से अब तक जिले में कुल 5,964 श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से 53.91 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान किया जा चुका है। निर्धारित नियमों के तहत काम पूरा होने के 15 दिनों के भीतर राशि सीधे श्रमिकों के खाते में अंतरित की गई है। समय पर भुगतान से बढ़ा भरोसा और उत्साह ग्रामीण परिवारों के लिए समय पर मिलने वाला पारिश्रमिक सिर्फ आय का जरिया नहीं, बल्कि रोजगार की जिंदगी को व्यवस्थित करने का आधार है। श्रमिक इस राशि का उपयोग राशन, बच्चों की शिक्षा,

दवाइयों और अन्य आवश्यक घरेलू सामान के लिए कर रहे हैं। राशि सीधे बैंक खातों में जमा होने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है और पूरी प्रक्रिया बेहद पारदर्शी हुई है। गांव के पास ही काम मिलने से श्रमिकों को आजीविका की तलाश में दूर-दराज के इलाकों में नहीं जाना पड़ रहा है, जिससे वे अपने परिवार के साथ रहकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। **ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही नई गति:** जब श्रमिकों को समय पर भुगतान मिलता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे ग्रामीण बाजार पर दिखता है। स्थानीय स्तर पर क्रय शक्ति बढ़ने से गांव की छोटी-मोटी

स्वास्थ्य विभाग की ई-ऑफिस संचालन में उल्लेखनीय उपलब्धि मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दी बधाई

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण में मई, जून एवं जुलाई 2026 की तिमाही में छत्तीसगढ़ मंत्रालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही जुलाई माह में भी विभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को निरंतर बनाए रखा है। इस उपलब्धि पर विभाग को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री



श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि के लिए विभाग के समस्त अधिकारियों एवं

कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीम भावना, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता, ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग तथा समयबद्ध नस्ती निराकरण का परिणाम है। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों से इसी ऊर्जा और समन्वय के साथ आगे भी कार्य करते हुए विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, गति एवं जवाबदेही को और मजबूत करने तथा आमजन से जुड़े प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कलेक्टर लंगेह ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, निराकरण के लिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री लंगेह ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण



सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में महासमुंद ग्राम मोगरा की टेखरी साहू ने श्रम विभाग के खाते में समस्या आने पर आवेदन दिया। इसी तरह ग्राम मालीडीह के श्री बुधराम खैरवार ने एग्रीस्टेक पंजीयन के लिए, ग्राम सिधनपुर बसना के

श्री लखेन्द्र कश्यप ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के लिए, सरायपाली के आवेदकों ने गौरव पथ से फोर लेन नेशनल हाईवे 53 तक पहुंच मार्ग में अवैध अतिक्रमण की शिकायत की, ग्राम खेमड़ा के निवासियों ने गांव के जर्जर पुल की मरम्मत के लिए, ग्राम मोखापुटका सरपंच ने गांव के सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का आवेदन, तुरी जाति के लोगों ने अपनी जाति को अनुसूचित जनजाति में जोड़ने हेतु आवेदन दिया। ग्राम जगदीशपुर के लोगों ने वार्ड 13 से अटल चौक तक बनाए गए सीसी रोड में अनियमितता की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने तत्काल इसकी जांच के आदेश देकर पीएमजीएसवाई को एक जांच टीम भेजने के लिए निर्देशित किया।

ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों ने तकनीकी वस्त्र मिशन के संबंध में दिया प्रस्तुतिकरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत राज्य शासन के ग्रामोद्योग विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे राज्य में टेक्सटाइल उद्योग की संभावनाओं के लिए व्यापक कार्ययोजना बनायें। उन्होंने कहा कि तकनीकी वस्त्र उद्योग के लिए प्रदेश में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कोशल विकास के लिए शैक्षणिक एवं तकनीकी शिक्षण संस्थाओं से आवश्यक सहयोग लेकर कार्य करें। बैठक में ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों ने राष्ट्रीय



तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत शिक्षा, प्रशिक्षण, कोशल विकास, बाजार विकास, अनुसंधान, नवाचार और विकास के संबंध में विस्तार से प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया। बैठक में एग्री टेक्सटाइल, मेडिकल टेक्सटाइल, कंस्ट्रक्शन टेक्सटाइल, स्मार्ट टेक्सटाइल,

वर्तमान पर फोकस करें, निरंतर सीखते रहें और समाज के लिए योगदान दें- डेका

संत गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षांरंभ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संत गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर में वर्ष 2026-27 में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षांरंभ कार्यक्रम आज राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं का राज्यपाल ने सम्मान भी किया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने नवप्रवेशित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह अध्याय उन्हें केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि एक जागरूक, सशक्त और संवेदनशील नागरिक के रूप में तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में कदम रखते ही छात्राएं उस गौरवशाली परंपरा की उत्तराधिकारी बन गईं हैं, जिसने दशकों से बालिकाओं को ज्ञान और शिक्षा का प्रकाश प्रदान किया है। श्री डेका ने महिलाओं की तुलना पानी से करते हुए कहा कि जिस प्रकार पानी के बिना जीवन अधूरा है, उसी प्रकार महिलाओं के बिना समाज भी अधूरा है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने पास जो कुछ है, उससे संतुष्ट रहें, लेकिन अपने भविष्य को लेकर निरंतर प्रयास करती रहें। जीवन में आगे बढ़ने के अनेक अवसर और क्षेत्र हैं। यदि किसी एक क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती है तो निराश होने के बजाय अन्य अवसरों का लाभ उठाकर कर आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जीवन सतत सीखने की



प्रक्रिया है और हम जीवनभर विद्यार्थी बने रहते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, तकनीक ने ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, लेकिन तकनीक पर पूर्ण निर्भरता उचित नहीं है।

इंटरनेट से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन यह मानव बुद्धि और विवेक का स्थान नहीं ले सकता। जीवन को सरल, सार्थक और बेहतर बनाने के लिए ज्ञान प्राप्त करना तथा उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना

आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें केवल यह नहीं सोचना चाहिए कि समाज ने हमें क्या दिया, बल्कि यह भी विचार करना चाहिए कि हम समाज, अपने पड़ोस और देश की बेहतरी के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। जीवन अनमोल है, इसलिए इसे अनावश्यक चिंताओं में व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हुए कठोर परिश्रम करना चाहिए। निरंतर प्रयासों से भविष्य निश्चित रूप से बेहतर बनेगा। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षकों का योगदान अमूल्य है, जिसे पैसों में नहीं मापा जा सकता। शिक्षकों को भी अपने आचरण और व्यवहार से विद्यार्थियों के सामने ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, जिससे वे उनसे प्रेरणा ले सकें। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने समाज के लिए छोटे-छोटे सकारात्मक योगदान करें। उनके ये छोटे प्रयास मिलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय की उन प्रतिभाशाली छात्राओं को राज्यपाल ने सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और कुशाग्रता से महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुंरुदर मिश्रा, संत श्री गुधिष्ठिर लाल, महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उषा किरण अग्रवाल, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

पीढ़ियों की धरोहर को मिली कानूनी मुहर धमतरी के ‘चिरपोटी टमाटर’ को PPV&FRA के तहत मिला आधिकारिक पंजीयन

संरक्षक किसान बंसी लाल सोरी समानित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि जैव-विविधता और पारंपरिक ज्ञान को एक बड़ी राष्ट्रीय पहचान मिली है। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड स्थित ग्राम गुहनानाला के किसान बंसी लाल सोरी द्वारा पीढ़ियों से सहेजे गए पारंपरिक ‘चिरपोटी टमाटर’ को ‘पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण’ (PPV&FRA) के तहत आधिकारिक तौर पर पंजीकृत कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर ने बंसी लाल सोरी को शॉल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

पिता की विरासत को सोढ़ी ने रखा जीवित: ‘चिरपोटी टमाटर’ के संरक्षण की यह कहानी बंसी लाल के स्वर्गीय पिता मंगल राम सोढ़ी से शुरू होती है, जो वर्षों तक इस स्थानीय किस्म के बीजों को सहेजकर खेती करते रहे। पिता के निधन के बाद बंसी लाल ने इस पारंपरिक कृषि विरासत को संभाला और बीज संरक्षण के कार्य को निरंतर आगे बढ़ाया। 8 वर्षों के प्रयास के बाद मिला पंजीयन कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), धमतरी और PPV&FRA प्रभारी के तकनीकी सहयोग से इस किस्म के दस्तावेजीकरण और पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके लिए 07 सितम्बर 2016 को आवेदन किया गया तथा 08 जनवरी 2024 को पंजीयन हुआ। बल्कि किसानों के पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय जैव-विविधता के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।